mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-216 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
06 अगस्त 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

संसद के बाहर चढ़ावा चोरी, लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

● रिजिजू ने राहुल-प्रियंका के साथ बैठक की ● हंगामे के बाद दोनों सदन स्थगित

नई दिल्ली,एजेंसी। विपक्षी सांसदों ने बुधवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला। विपक्षी सांसद 20 जुलाई को जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों पर लाठीचार्ज और राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। उनकी मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें।

इधर विपक्ष का बुधवार को भी संसद में पीएम और शाह के बयान की मांग हंगामा जारी रहा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू होने के बाद एक मिनट में 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

वहीं राज्यसभा भी पहले 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में चर्चा को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ करीब 50 मिनट बैठक की। संसद के मानसून सत्र में अब तक 8 में से 3 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। सरकार बाकी पांच बिलों को दोनों सदनों से पास कराने की तैयारी में है।

प्रियंका ने पूछा- लाठीचार्ज का ऑर्डर किसने दिया: कांग्रेस एमपी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- अगर बच्चों पर गोलियां, पेलेट गन चलाई गई हैं, आंसू गैस छोड़ी गई है या लाठीचार्ज के ऑर्डर दिए गए हैं, तो किसी को तो जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। किसी ने तो वे ऑर्डर दिए होंगे, और उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

वहीं, जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, आयकर (संशोधन) बिल, MSME विकास (संशोधन) बिल, विदेशी अंशदान (FCRA) संशोधन बिल और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल को अभी संसद की मंजूरी नहीं मिली है। सरकार आज इन बिलों को दोनों सदनों में पास कराने की कोशिश कर सकती है।

संसद के दोनों सदनों से अब तक 3 बिल पास... मंगलवार को टैक्सेशन एंड अदर्स लॉ (संशोधन) बिल लोकसभा में पास हो गया। इस सत्र के लिए 8 बिल लिस्ट किए गए थे, जिनमें से वंदे मातरम, पब्लिक एग्जामिनेशन संशोधन बिल (पेपर लीक) और सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल दोनों सदनों में पास हो चुके हैं।

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना 7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

● एक ने पानी तक छोड़ा था ● वांगचुक की अपील पर पिया ● 7 अगस्त को विधानसभा घेरेंगे

रांची,एजेंसी। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड़ रखा था।

बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा।

छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है। छात्र JPSC, JSSC-CGL समेत दूसरी भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की CBI जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन... 2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए।

यूपी विधानसभा मानसून सत्रः 'सदन में सपा ने चर्चा नहीं होने दी'

सीएम बोले- समाजवादी पार्टी का रवैया नकारात्मक

लखनऊ,एजेंसी। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र का बुधवार को तीसरा दिन है। योगी सरकार ने मंगलवार को 59019 करोड़ रुपये का अपना अनुपूरक बजट पेश किया था। आज अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी।

मंगलवार को विपक्ष के भारी हंगामे और शोर शराबे के बीच सदन की कार्यवाही को स्थगित किया गया था। सपा विधायक सचिन यादव ने सीएम योगी की तस्वीर लहराई थी, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उन्हें पूरे सत्र से निष्कासित कर दिया था। सतीश महाना ने कहा, 'मुझे लगता था कि सचिन यादव पढ़े-लिखे हैं, उनका आचरण बेहतर होगा... लेकिन मुझे दुख हुआ।' विधानसभा में सपा के हंगामे पर दुखी होकर सतीश महाना ने कहा कि मेरी राजनीतिक पारी अंतिम चरण में है। बोले कि मैं इस कुर्सी के लायक हूं या नहीं...सोचना पड़ेगा।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसने कभी भी लोकतांत्रिक परंपराओं या व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं किया।

यूपी विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित... यूपी विधानसभा में लगातार हंगामा होता रहा। इस बीच कई महत्वपूर्ण विधेयक बिना चर्चा के ही पास हो गए। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की मांग की जिस पर सभापति ने सहमति दे दी।

दीपके बोले- पॉलिटिकल पार्टी नहीं बनाएंगे

सीजेपी प्रेशर ग्रुप की तरह काम करेगी देश को जन-आंदोलन की जरूरत

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा कि CJP फिलहाल राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी। उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बात करते हुए कहा- अभी भारत को एक मजबूत प्रेशर ग्रुप की जरूरत है, इसलिए CJP फिलहाल उसी भूमिका में काम करेगी।

दीपके ने कहा- अगर हम राजनीतिक पार्टी बनाते, तो हमारा आंदोलन सफल नहीं होता। आंदोलन इसलिए सफल हुआ, क्योंकि अलग-अलग विचारधाराओं और राजनीतिक दलों के लोग लोकतंत्र को कमजोर करने वाली चीजों के खिलाफ एक साथ आए। आज भारत को किसी नई राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि एक मजबूत जन आंदोलन की जरूरत है।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में CJP की आज से दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में दीपके ने बताया कि इसमें जंतर-मंतर आंदोलन की समीक्षा, ई20 पेट्रोल, शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि संगठन को देशभर में कैसे मजबूत किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट बोलाः पुलिस प्रदर्शन के दौरान युवाओं की बात सुने

● पत्थरबाजी होने पर भी उन्हें समझाएं ● संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा का मामला

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने संसद मार्च हिंसा को लेकर बुधवार को कहा कि प्रदर्शनों के दौरान कानून लागू करने वाली एजेंसियों को संयम बरतना चाहिए। अगर कुछ गुमराह लोग पत्थरबाजी भी करते हैं, तो भी पुलिस को युवाओं को शांत करने, उन्हें समझाने और उनकी बात सुनने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई के संसद चलो मार्च के आयोजकों पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। इसमें आयोजकों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका ने संसद मार्च बुलाया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी मोहना की बेंच ने इसे ऐसी ही दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया है। यह याचिका एक रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी मनीष कुमार सोलंकी ने दायर की है।

नीट पेपर लीक के विरोध में CJP ने 20 जून से 25 जुलाई तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। इसी बीच 20 जुलाई को CJP ने संसद चलो मार्च बुलाया था जिसमें हिंसा हुई थी।

वकील ने दलील दी कि पत्थरबाजी करने वालों को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए कि सरकार की ओर से कहीं कोई गलती हुई हो। उन्होंने संसद को लोकतंत्र का मंदिर बताते हुए कहा कि यदि प्रदर्शनकारी संसद परिसर तक पहुंच जाते और कोई बड़ी घटना हो जाती, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते थे। उनके अनुसार हिंसा में शामिल हर व्यक्ति की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि ताकतवर सरकार की ओर से आक्रामक रवैया अपनाने से सामाजिक तनाव बढ़ सकता है और हिंसा और भड़क सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को सलाह, काउंसलिंग और संवाद की जरूरत है।

आयोजकों की जवाबदेही तय करने की मांग... सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा कि घटना को 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आयोजकों की जवाबदेही तय नहीं हुई। उनका आरोप था कि आयोजक लगातार सार्वजनिक मंचों पर भड़काऊ बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ऐसे मामलों में पीछे हटती है तो यह गलत उदाहरण बनेगा और भविष्य में दूसरे राज्यों में भी हिंसक प्रदर्शन को बढ़ावा मिल सकता है।

यूपी के बिजनौर में हाईवे पर बह रही गंगा नदी

» झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 मौतें

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुई। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा।

मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

इनमें हिमाचल की 160 और उत्तराखंड की 100 से ज्यादा सड़कें शामिल हैं। उत्तराखंड के देहरादून और बागेश्वर में 12वीं तक के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार बारिश और नगालैंड से आए पानी के कारण कई गांव जलमग्न हो गए थे। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अब राहत और बहाली का काम जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, बाढ़ से अब तक 26-27 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4-5 लोग अब भी लापता हैं।

हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद

असम में 23 इलाके अब भी बाढ़ से प्रभावित; 27 मौतें, 5 लोग लापता... असम के शिवसागर जिले के नजीरा सब-डिवीजन में बाढ़ की स्थिति अब ज्यादातर इलाकों में काबू में है। हालांकि, 23 इलाके अब भी प्रभावित हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। नापालिकुटी इलाके में बड़े पैमाने पर जमीन का कटाव हुआ है।

पिछले 5 महीने में दाल 8, तेल 6 महंगा हुआ

दूध-चीनी समेत राशन की 99% चीजों के दाम बढ़े; त्योहारों में और बढ़ेगी महंगाई

मुंबई,एजेंसी। 28 फरवरी से 3 अगस्त तक, यानी पिछले 5 महीनों में आम आदमी के खाने-पीने का खर्च तेजी से बढ़ा है। 28 फरवरी वही दिन है, जब अमेरिका-ईरान-इजराइल में जंग शुरू हुई थी। उपभोक्ता मामले विभाग के प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम के मुताबिक इन 5 महीनों में 16 मुख्य खाद्य वस्तुओं में से 15 के दाम बढ़े हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा तेजी दालों और तेल में रही। इसके अलावा चना दाल 4.65 प्रति किलो, अरहर दाल 5.96, उड़द 5.71, चीनी 2.25, मूंग दाल 4.55 प्रति किलो और दूध 3, सरसों तेल 7.56 प्रति लीटर महंगा हुआ। चावल के दाम 1.57 और नमक के 0.85 प्रति किलो बढ़े, जबकि आटे की कीमतों में 0.22 की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

चीनी के दाम बढ़ने के पीछे एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने की लगातार ऊंची मांग और चीनी उत्पादन में अपेक्षाकृत कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। वहीं, गेहूं के पर्याप्त सरकारी भंडार और बाजार में बेहतर उपलब्धता से इसके दाम दबाव में रहे, जिससे आटे की कीमत भी लगभग स्थिर बनी रही। अब अगस्त से शुरू हो रहे रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान दाल और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने की संभावना है।

अगर वैश्विक स्तर पर कीमतों और आयात लागत में नरमी नहीं आती है, तो इन दोनों कैटेगरी की कीमतों पर आगे भी दबाव बने रहने की आशंका दिख रही है।

अगस्त से त्योहारी सीजन बढ़ाएगा दाम... विशेषज्ञों का कहना है कि दालों की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह इस बार कमजोर और असमान मानसून है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों का रकबा पिछले साल से करीब 7% कम रहा, जिससे उत्पादन घटने और आयात बढ़ने की आशंका से बाजार में कीमतें चढ़ीं।

: ब्रीफ बॉक्स :

2,000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर लग सकता है चार्ज!

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत में यूपीआई से लेनदेन अब बड़े पैमाने पर होता है। अब सरकार यूपीआई का उपयोग करने वालों को झटका देने जा रही है। सरकार यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) या चार्ज लगाने की अनुमति दे सकती है। यह फीस 2000 से ऊपर के बिजनेस भुगतान पर 0.25% से 0.4% तक हो सकती है। यह चार्ज व्यक्ति से व्यक्ति के ट्रांसफर पर यह लागू नहीं होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में पेश किए गए टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल में बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स पर इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड पर एमडीआर लगाने के प्रतिबंध को हटाने का प्रस्ताव रखा है।

56% गाड़ियों का इंश्योरेंस नहीं इनका चालान काटोः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। अगर आपकी गाड़ी का इंश्योरेंस नहीं तो हो सकता है कि निकट भविष्य में आपको पेट्रोल पंप से तेल ने मिले। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सड़कों पर बिना इंश्योरेंस वाली गाड़ियों के चलने की समस्या से निपटने के लिए यह सुझाव दिया कि जिन गाड़ियों का बीमा नहीं है उनका चालान काटो और ऐसी गाड़ियों को तेल भी मत दो। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि हाईवे और सड़कों पर लगे कैमरों का इस्तेमाल ऐसी गाड़ियों की पहचान करने और उनके मालिकों को चालान भेजने के लिए किया जाए।

पीठ ने जताई हैरानी: भारतीय सड़कों पर चलने वाले लगभग 56% वाहनों (जिनमें से ज्यादातर दो-पहिया वाहन हैं) का बीमा न होने पर हैरानी जताते हुए जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि इससे मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 146 के तहत अनिवार्य बीमा का मकसद ही खत्म हो जाता है।

आर्टिकल 370 हटने के 7 साल, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ी

अमरनाथ यात्रा रोकी गई, बिना परमिशन रैली-धरने पर रोक

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के आज सात साल पूरे हो गए। इस मौके पर पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। श्रीनगर, कुलगाम, पहलगाम समेत संवेदनशील इलाकों में मल्टी लेयर सुरक्षा व्यवस्था लागू है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षाबलों के काफिलों की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से अमरनाथ यात्रा भी एक दिन के लिए रोक दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, एहतियात के तौर पर यह फैसला लिया गया है। CRPF ने रामबन में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर सर्च ऑपरेशन चलाया, जबकि कुलगाम पुलिस ने NH-44 पर गाड़ियों और लोगों की आईडी की जांच तेज कर दी है।

बिना परमिशन रैली और धरने पर रोक लगाई गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी समेत कई राजनीतिक दल आज 'ब्लैक डे' मना रहे हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कैंडल मार्च निकाला और लोगों से विरोध दर्ज करने की अपील की। विपक्ष आर्टिकल 370 हटाने के फैसले का विरोध करते हुए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहा है।

पुलिस की अपील- शांति रखें, संदिग्धों की खबर दें: महबूबा मुफ्ती के प्रदर्शन और हाल ही में हुई आतंकी घटनाओं को देखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। इसमें बिना अनुमति के किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या जुलूस निकालने पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षाबलों ने सीमा पर बसे गांवों और संवेदनशील इलाकों में देर रात तक फ्लैग मार्च किया। LoC पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से यह भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें।

महबूबा पर कार्रवाई करने का विचार कर रहे अधिकारी... जम्मू-कश्मीर पुलिस पीडीपी चीफ महबूबा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर भी विचार कर रहे हैं। दरअसल, महबूबा ने मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को उलटा पकड़ा था। तिरंगे को गलत तरीके से प्रदर्शित करना जैसे कि रंगों का क्रम उल्टा होना, गलत अनुपता, क्षतिग्रस्त कपड़ा होना... ये सभी 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' (ध्वज संहिता) का उल्लंघन है। नियमों के अनुसार, सबसे ऊपरी पट्टी हमेशा केसरिया होनी चाहिए, बीच की सफेद पट्टी पर 24 तीलियों वाला गहरा नीला अशोक चक्र हो, और सबसे निचली पट्टी हरी की होनी चाहिए।

हादसे के बाद अस्पतालों को किया गया अलर्ट

● पहुंचते ही शुरू हुआ इलाज

नईदिल्ली, एजेंसी। फुकेट से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान के साथ हादसे के कारण कई यात्री और केबिन क्रू के सदस्य घायल हो गए। विमान की लैंडिंग के बाद एम्बुलेंस की मदद से भी सात घायलों को वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनके अलावा दो इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर और पांच को गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल पहुंचाया गया। फोर्टिस अस्पताल में घायलों के पहुंचने की सूचना पहले ही एयरपोर्ट एथारिटी की तरफ से दी जा चुकी थी। इस वजह से यहां आपातकालीन विभाग में उनके लिए तैयारी शुरू कर दी गई थी। इसलिए जैसे ही घायल पहुंचे, सभी का उपचार शुरू कर दिया गया। आपातकालीन विभाग के बाहर अचानक बढ़ी हलचल ने सभी का ध्यान खींच लिया। अस्पताल पहुंचने वाले यात्री सहमे हुए थे। उनके चेहरे पर डर साफ झलक रहा था तो कुछ एक-दूसरे का हाल जानने की कोशिश कर रहे थे।

अस्पताल पहुंचे उड्डयन मंत्री

फोर्टिस अस्पताल में घायलों से मिलने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू भी पहुंचे। उन्होंने भर्ती सभी घायलों से उनका हालचाल पूछा। उन्हें हर जरूरी मदद का भरोसा दिलाया। नायडू ने कहा कि घायलों को जरूरी मेडिकल सहायता दी जा रही है। उन्होंने अस्पताल के डाक्टरों के साथ एअर इंडिया और डीजीसीए के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की और निर्देश दिया कि हर दो घंटे में घायलों की स्थिति की जानकारी दी जाए।

केबिन क्रू सदस्य की रीढ़ की हड्डी में हुआ फ्रैक्चर

यहां पहुंचे घायलों में से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि चार का इलाज जारी है। हादसे में एक केबिन क्रू की महिला सदस्य की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। उधर, मेदांता अस्पताल में भर्ती घायलों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। फोर्टिस अस्पताल के आपातकालीन विभाग के प्रमुख डा. उमंग ने बताया कि दोपहर करीब साढ़े 12 बजे घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी टीम को अलर्ट कर दिया गया था। डाक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को तत्काल तैयार रहने के निर्देश दिए गए। करीब एक बजे तक सभी सात घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बिना देरी उपचार शुरू कर दिया गया। बाकी तीन केबिन क्रू सदस्यों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। अस्पताल के अनुसार भर्ती सभी केबिन क्रू की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच है। अस्पताल में देर तक स्वजन और एयरलाइन अधिकारियों की आवाजाही भी बनी रही, जबकि मेडिकल टीम लगातार घायलों की निगरानी करती रही। डाक्टरों के मुताबिक सभी घायलों को वार्ड में भेज दिया गया है।

कांवड़ यात्रा के चलते फरीदाबाद पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी, आगरा नहर मार्ग से बचने की अपील

फरीदाबाद, एजेंसी। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए फरीदाबाद पुलिस ने आमजन की सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस उपायुक्त यातायात ने नागरिकों से अपील की है कि शिवरात्रि तक आगरा नहर मार्ग का उपयोग करने से बचें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें। पुलिस के

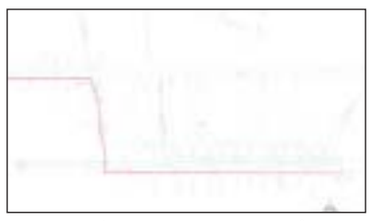

अनुसार कांवड़ यात्रा का मुख्य मार्ग आगरा नहर के साथ निर्धारित किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही के कारण दुर्गा बिल्डर से सोतई पुल तक आगरा नहर के साथ वाले मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग और नाकाबंदी कर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक बैरिकेडिंग तक पहुंच रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के कार्य में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

● वैकल्पिक मार्ग भी सुझाए

यातायात पुलिस ने नहर पार करने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी सुझाए हैं। सेहतपुर जाने वाले वाहन चालक नया पल्ला पुल का उपयोग करें, जबकि पल्ला और तिलपत की ओर जाने वाले पल्ला पुल से होकर आवागमन करें। वहीं, मवई, धीरज नगर और आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले लोग सेक्टर-28/29 पुल का इस्तेमाल करें। फरीदाबाद पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सभी लोग ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि आमजन की सेवा, सुरक्षा और सहयोग के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

● वर्षा के कारण थमी कांवड़ियों की रफ्तार

सोमवार मंगलवार आधी रात को शुरू हुई वर्षा ने कांवड़ियों की रफ्तार को धीमा कर दिया है। मंगलवार सुबह भी फरीदाबाद जिले में अलग अलग हिस्सों में वर्षा होती रही। रात को ग्रेटर फरीदाबाद क्षेत्र में काफी वर्षा हुई। दोपहर में 12 बजे से तीन बजे बदरपुर बार्डर क्षेत्र में वर्षा थी, फिर तीन बजे के बाद यह एनआइटी क्षेत्र में कुछ देर के लिए काफी तेज हुई। वर्षा के चलते कांवड़िये कालिंदी कुंज से पहले ही पक्के टेंट वाले शिविरों में शरण लेकर बैठ गए थे। हालांकि वर्षा से बेपरवाह कुछ कांवड़िए ही आगरा नहर मार्ग पर बढ़ते दिखे।

आपकी बेटी का वीडियो है मेरे पास...' पार्क में दोस्त संग बैठी युवती का वीडियो बनाकर पिता को दी धमकी

साहिबाबाद, एजेंसी। टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में दोस्त संग पार्क में बैठी युवती का वीडियो बनाने, पीड़िता के पिता को फोन कर धमकी ने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने एओए अध्यक्ष समेत दो पर केस दर्ज कराया है। एक सोसायटी निवासी युवती सोमवार शाम अपने मित्र के साथ पार्क में बैठी थी। आरोप है कि सोसायटी के सुरक्षा सुपरवाइजर सुनील ने दोनों की वीडियो बनाकर एओए अध्यक्ष जय प्रकाश ठाकुर को भेजी। जिसके बाद एओए अध्यक्ष ने उन्हें फोन कर बेटी को समझाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि बेटी के फोटो, वीडियो उनके पास है।

एओए अध्यक्ष के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज: युवती के पिता ने अकारण मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए सुरक्षा सुपरवाइजर और एओए अध्यक्ष के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई। उधर एओए अध्यक्ष ने बताया कि सोसायटी निवासी ने बालकनी से वीडियो बनाकर उनके पास भेजी थी। जिसके बाद सुपरवाइजर को भेजकर युवक को बाहर भेजा था। युवती के पिता को मामले की जानकारी देने के लिए फोन किया था। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि युवती के मामले की जांच के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के स्कूल में पांचवीं के छात्र से छह महीने तक होता रहा यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। नरेला के एक सरकारी स्कूल में कक्षा पांच के छात्र के साथ स्कूल परिसर के शौचालय में पिछले करीब छह महीने तक कथित यौन शोषण होने का मामला उजागर हुआ। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्र के अनुसार, पीड़ित छात्र ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके साथ स्कूल के शौचालय में उसके ही आठ सहपाठी कथित तौर पर यौन शोषण करते थे। आरोप है कि घटना किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी।

लंबे समय तक चुप रहा बच्चा: डर के कारण वह लंबे समय तक चुप रहा। लेकिन 30 जुलाई को कथित रूप से फिर ऐसी घटना हुई। बाद में स्कूल में पढ़ने वाले एक अन्य बच्चे को इसकी जानकारी मिली, जिसने पीड़ित छात्र की मां को पूरे मामले से अवगत कराया। जानकारी देने वाला छात्र पीड़ित का रिश्तेदार भी है। इसके बाद पीड़ित के स्वजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

यादगीर की फैक्ट्री में केमिकल लीक होने से हादसा, तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत; दो की हालत गंभीर

यादगीर, एजेंसी। कर्नाटक की एक फैक्ट्री में मंगलवार बड़ा हादसा हो गया। यहां फैक्ट्री में केमिकल लीक होने से 3 मजदूरों का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। मामला कदेचुर-बडियाल इंडस्ट्रियल एरिया का है। मृतक तेलंगाना और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी पहचान तेलंगाना के महबूबनगर जिले के कटला गणेश और मध्य प्रदेश के कटनी जिले के विक्रम सिंह गोंडा और संजय सिंह गोंडा के तौर पर हुई है। पुलिस ने बुधवार को मामले की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में दो लोग घायल भी हो गए। दोनों ही आंध्र प्रदेश के निवासी है। दोनों घायलों की की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के रहने वाले हैं। दोनों का अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद फैक्ट्री में कामकाज रोक दिया गया। सैदापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद पर तनाव बढ़ा जॉर्डन ने इस्लामिक देशों की आपात बैठक बुलाई

अम्मान, एजेंसी। यरूशलम के सबसे पवित्र मुस्लिम धार्मिक स्थल अल-अक्सा मस्जिद परिसर पर इस्राइल के कब्जे के बढ़ते खतरे को लेकर पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव गहरा गया है। जॉर्डन ने इस स्थिति को अत्यंत गंभीर बताते हुए आगाह किया है कि अगर ऐतिहासिक धार्मिक व्यवस्था से खिलवाड़ बंद नहीं हुआ, तो यह मामला पूरे क्षेत्र में एक भयानक धार्मिक युद्ध का रूप ले सकता है। इस संकट पर चर्चा करने के लिए जॉर्डन ने अरब और इस्लामिक जगत के देशों के विदेश मंत्रियों की बुधवार को आपातकालीन बैठक बुलाई है।मंत्री की अगुवाई में 2,000 से अधिक इस्राइली नागरिक मस्जिद पहुंचेअंतरराष्ट्रीय समझौतों और ऐतिहासिक परंपरा के तहत अल-अक्सा मस्जिद और डोम ऑफ द रॉक (कुब्बत अल-सखरा) परिसर की देखरेख जॉर्डन का राजपरिवार करता है। नियम के मुताबिक, इस परिसर में केवल मुसलमानों को ही नमाज अदा करने की इजाजत है, लेकिन यह यहूदियों के लिए भी पवित्र स्थल (टेंपल माउंट) माना जाता है। हाल के दिनों में इस्राइल के सरकार समर्थित कुछ गुटों की ओर से इस परिसर में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। 23 जुलाई को इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर की अगुआई में लगभग 2,000 से अधिक इस्राइली नागरिक परिसर में प्रवेश कर धार्मिक अनुष्ठान किए। यरुशलम बारुद का ढेर है। हम कानूनी रूप से विरोध कर खतरे से आगाह करने की कोशिश कर रहे हैं। फलस्तीनी लोगों को बड़े पैमाने पर वेस्ट बैंक से निर्वासित किए जाने की आशंका। ऐसा होने पर फलस्तीनी शरणार्थी बड़ी संख्या में जॉर्डन जा सकते हैं, इससे देश में अस्थिरता का खतरा। फलस्तीनी लोगों को इस्राइल जॉर्डन में विस्थापित करना चाहता है, हम ऐसा नहीं होने देंगे। जॉर्डन के मुताबिक अल-अक्सा पर कब्जे की कोशिश अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन। इससे फलस्तीनी लोगों के अपनी भूमि पर रहने के अधिकार छिनेंगे, क्षेत्रीय तनाव बढ़ेगा।

मिसिर के बाद बड़ा झटका: 15 लाख का इनामी नक्सली मदन महतो पत्नी सहित गिरफ्तार

कुख्यात रवि सरदार भी हत्थे चढ़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सलियों का अंतिम अध्याय भी लगभग खत्म होने चला है. सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में 15 लाख का इनामी मदन महतो, 5 लाख का रवि सरदार और 2 लाख की इनामी मीना, जो मदन महतो की पत्नी है, को गिरफ्तार कर लिया गया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गिरफ्तारी की पुस्टि की है. गिरफ्तार नक्सलियों के पास से तीन एक-47 राइफल भी बरामद किए गए हैं.

मिसिर के बाद एक और बड़ी सफलता: झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है. सरायकेला-खरसावां जिले में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने कुल 22 लाख रुपये के इनामी तीन हार्डकोर माओवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार माओवादियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो, 5 लाख रुपये का इनामी रवि सरदार तथा मदन महतो की पत्नी और 2 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी मीना शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के सक्रिय सदस्य सरायकेला-खरसावां क्षेत्र में मौजूद हैं. सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने तीनों माओवादियों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है. गिरफ्तार मदन महतो लंबे समय से माओवादी संगठन का सक्रिय सदस्य रहा है और उस पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं, रवि सरदार पर 5 लाख रुपये और महिला माओवादी मीना पर 2 लाख रुपये का इनाम था।

महाराष्ट्र में इस साल पीओपी वाली गणेश मूर्तियों पर प्रतिबंध संभव नहीं, धीरे-धीरे चलन से हटाया जाएगा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को बांबे हाई कोर्ट को बताया कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी महोत्सव के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों के उपयोग पर रोक लगाना संभव नहीं होगा। लेकिन, ऐसी मूर्तियों को धीरे-धीरे चलन से बाहर कर दिया जाएगा। पीओपी से बनी मूर्तियों के विसर्जन से प्राकृतिक जल स्रोतों में होने वाले प्रदूषण को लेकर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही अदालत ने पिछले सप्ताह सरकार से कहा था कि वह मिट्टी की मूर्तियां इस्तेमाल करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर अपना रुख साफ करे। एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने हाई कोर्ट को बताया कि वैसे तो सरकार मिट्टी से बनी गणेश मूर्तियों के इस्तेमाल के बारे में प्रधानमंत्री मोदी की अपील का पालन करेगी, लेकिन इस साल ऐसा करना मुश्किल होगा। इस पर जस्टिस अजय गडकरी और कमल खता की पीठ ने पूछा कि क्या राज्य सरकार ने पीएम मोदी को अपनी स्थिति से अवगत कराया है, जिन्होंने पिछले सप्ताह 'मन की बात' कार्यक्रम में श्रद्धालुओं से पीओपी की मूर्तियों के बजाय मिट्टी की गणेश प्रतिमा इस्तेमाल करने की अपील की थी। मिलिंद साठे ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री की अपील का गंभीरता से पालन करेगी।

यूएस में राष्ट्रपति के खिलाफ साजिश ट्रंप के गोल्फ कोर्स पर शख्स गिरफ्तार, पुलिस क्या बोली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लॉस एंजिलिस के पास स्थित गोल्फ कोर्स पर सुरक्षा तैयारियों की निगरानी करता दिखाई देने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, वह तस्वीरें और वीडियो बना रहा था। उसके पास गोला-बारूद मिला, जबकि उसकी कार से एक लोडेड पिस्तौल बरामद की गई। क्या आरोपी के घर से भी हथियार मिले लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि आरोपी की जेब से 16 राउंड की मैगजीन और गोला-बारूद मिला। सोमवार को उसके घर की तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में हथियार, मैगजीन, गोला-बारूद, बॉडी आर्मर और ऐसी नोटबुक बरामद हुई, जिनमें चिंताजनक बातें लिखी थीं। शेरिफ विभाग ने उस समय गिरफ्तारी की जानकारी दी, जब डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के फंडरेजिंग डिनर में शामिल होने के लिए रैंचो पालोस वर्देस स्थित ट्रंप नेशनल गोल्फ कोर्स पहुंचने की तैयारी कर रहे थे। क्या आरोपी के खिलाफ पहले भी मामला दर्ज है 38 वर्षीय आरोपी को छिपाकर हथियार रखने और प्रतिबंधित गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शेरिफ विभाग के अनुसार, एल सेगुंडो पुलिस विभाग पहले से ही उसकी डकैती के एक मामले में जांच कर रहा है। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा कि फिलहाल समुदाय के लिए किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। वहीं, 2025 में एक जूरी ने फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के कंट्री क्लब में उनकी हत्या की कोशिश करने वाले एक व्यक्ति को दोषी ठहराया था।

विवादों में ट्रंप का विशाल स्मारक द्वार: एनपीएस ने जताई चिंता क्या बदलेगी वाशिंगटन के ऐतिहासिक स्थलों की पहचान

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बनाए जाने वाले प्रस्तावित 250 फीट (76 मीटर) ऊंचे स्मारक मेहराब (विशाल द्वार) से उसके आसपास मौजूद कई ऐतिहासिक जगहों की अहमियत पर असर पड़ सकता है। यह बात नेशनल पार्क सर्विस (एनपीएस) के एक आकलन में कही गई है।वाशिंगटन के कई स्मारक, इमारतें और ऐतिहासिक जगहों को कई दशकों में बहुत सोच-समझकर बनाया गया है। इनका मकसद देश के इतिहास की बड़ी घटनाओं को दिखाना और एक जगह को दूसरी जगह से जोड़कर एक खास संदेश देना है।ट्रंप की ओर से प्रस्तावित यह बहुत ऊंचा सुनहरे रंग का मेहराब (गिल्डेड आर्च) पिछले महीने एक संघीय आयोग से शुरुआती मंजूरी हासिल कर चुका है। लेकिन नेशनल पार्क सर्विस की रिपोर्ट के अनुसार, यह दर्जनों ऐतिहासिक जगहों की पहचान और महत्व को नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि इससे इन जगहों के बीच का वह दृश्य और दूरी का तालमेल बदल जाएगा, जो उनकी खास पहचान का हिस्सा है।सोमवार को जारी हुई

एनपीएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परियोजना का इलाका मेमोरियल एवेन्यू कॉरिडोर सांस्कृतिक क्षेत्र के अंदर आता है। यह अमेरिका का राष्ट्रीय महत्व वाला ऐतिहासिक इलाका है, जो वाशिंगटन डीसी के लिंकन मेमोरियल से लेकर वर्जीनिया के अर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री तक फैला हुआ है।किन जगहों के बीच टूटेगा तालमेलरिपोर्ट में बताया गया है कि इस मेहराब का सबसे बड़ा असर यह होगा कि यह लिंकन मेमोरियल, मेमोरियल ब्रिज और अर्लिंग्टन हाउस के बीच बनी सीधी लाइन को तोड़ देगा। अर्लिंग्टन हाउस पहले अमेरिकी गृहयुद्ध के समय कॉन्फेडरेट सेना (दक्षिणी राज्यों की सेना) के जनरल रॉबर्ट ई. ली का घर था। इसमें कहा गया है कि मेमोरियल ब्रिज और उसके आसपास का पूरा इलाका इस तरह बनाया गया था कि पोटोमैक नदी के ऊपर बने स्मारकों की एक योजना के जरिये अमेरिका के उत्तर और दक्षिण हिस्सों को शारीरिक और प्रतीकात्मक रूप से जोड़ा जा सके। ट्रंप की परियोजना के लिए क्यों बढ़ी मुश्किलयह रिपोर्ट ट्रंप की इस परियोजना के लिए एक बड़ी रुकावट बन गई है। इससे पहले यह परियोजना कई मंजूरी प्रक्रियाओं से आसानी से आगे बढ़ रही थी। इन मंजूरी देने वाले योजना बोर्डों में ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारी और उनके समर्थक शामिल थे। यह प्रस्तावित मेहराब उन कई परियोजनाओं में से एक है, जिनके जरिये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉशिंगटन शहर पर अपनी स्थायी छाप छोड़ना चाहते हैं। इस मेहराब से शहर का नजारा और पहचान बदलने की संभावना को देखते हुए इसका विरोध शुरू हो गया है। पूर्व सैनिकों के एक समूह और एक इतिहासकार ने इसके खिलाफ मुकदमा भी दायर किया है। मंजूरी के बाद भी क्यों फंसा है मामला ट्रंप की ओर से बनाए जाने वाले इस मेहराब के डिजाइन को अमेरिकी कला आयोजग से शुरुआती मंजूरी मिल चुकी है। इस आयोग के सभी सदस्यों की नियुक्ति ट्रंप ने की थी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना आयोग ने जुलाई में हुई बैठक में इस जगह और शुरुआती योजना को मंजूरी दी थी। अब सितंबर की बैठक में यह आयोग इस मामले पर फिर से चर्चा करेगा। क्या संसद की मंजूरी जरूरी है यह मेहराब ट्रंप की उन कई परियोजनाओं में शामिल है, जिनको लेकर अदालत में मामला चल रहा है। मुकदमा दायर करने वाले तीन पूर्व सैनिकों और एक इतिहासकार ने इसके निर्माण को चुनौती दी है। उनका कहना है कि इस निर्माण के लिए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) की मंजूरी जरूरी है।

एकलव्य विद्यालय कुसमी में कलेक्टर का आत्मीय संवाद, विद्यार्थियों के साथ किया रात्रि भोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर ने मंगलवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कुसमी का भ्रमण कर शिक्षकों और विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं छात्रावास सुविधाओं और विद्यार्थियों की दिनचर्या का जायजा लिया कलेक्टर के सहज व्यवहार और बच्चों के साथ सीधे संवाद से विद्यार्थी एवं शिक्षक उत्साहित नजर आए कलेक्टर ने विद्यालय में विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई, भविष्य के लक्ष्य, दैनिक दिनचर्या, खेलकूद गतिविधियों और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों से उनकी रुचियों और समस्याओं की जानकारी ली तथा उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सफलता के लिए कठिन परिश्रम, अनुशासन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बेहद जरूरी हैं उन्होंने छात्रों को समय का सदुपयोग करने और पढ़ाई के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि इससे व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास भी होना चाहिए कलेक्टर ने शिक्षकों से भी चर्चा की और विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों परीक्षा परिणाम विद्यार्थियों की प्रगति नवाचारों और विद्यालय संचालन से जुड़े विषयों की जानकारी ली उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करें और उन्हें केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जीवन कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित करें भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की कक्षाओं प्रयोगशालाओं पुस्तकालय और छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में स्वच्छता व्यवस्था भोजन की गुणवत्ता, पेयजल सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं कलेक्टर ने कहा कि आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जैसे संस्थान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करते हैं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में विद्यार्थियों के साथ बैठकर रात्रि भोजन भी किया भोजन के दौरान उन्होंने बच्चों से सहज माहौल में बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और छात्रावास की व्यवस्थाओं के संबंध में विद्यार्थियों से फीडबैक लिया तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए कलेक्टर के साथ भोजन और संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए उन्होंने विद्यालय में मिल रही सुविधाओं और अपनी पढ़ाई से संबंधित विषयों पर चर्चा की कलेक्टर ने बच्चों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी शिक्षा सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा कलेक्टर के इस आत्मीय संवाद से विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी दोनों ही प्रभावित हुए शिक्षकों ने इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक अवसर बताया वहीं छात्रों ने कहा कि प्रशासन के मुखिया से सीधे बातचीत करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

बरी नदी उफान पर, पुल के ऊपर बहा पानी कई गांवों का सड़क संपर्क टूटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बुधवार सुबह बरी नदी उफान पर आ गई नदी पर बने पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी बहने लगा जिससे कुसमी मुख्यालय से जूरी होते हुए कई गांवों का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पुल पर आवागमन तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है बुधवार सुबह करीब चार बजे शुरू हुई तेज बारिश के चलते नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा कुछ ही घंटों में पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और वाहनों की आवाजाही ठप पड़ गई पुल के दोनों ओर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग गईं प्रशासन और पुलिस ने लोगों को पुल के पास रुकने तथा पानी कम होने तक इंतजार करने की सलाह दी आवागमन बंद होने के बावजूद कुछ लोग जान जोखिम में डालकर मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों से पुल पार करने का प्रयास करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले भी इसी पुल पर तेज बहाव में दो बाइक सवार बह गए थे हालांकि समय रहते उनकी जान बचा ली गई थी, लेकिन इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं स्थानीय समाजसेवी रामकेश द्विवेदी ने बताया कि बरसात के दौरान बरी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है उन्होंने लोगों से उफनती नदी पार नहीं करने की अपील की और प्रशासन से ऐसे संवेदनशील स्थानों पर सख्ती से आवागमन रोकने तथा लगातार जागरूकता अभियान चलाने की मांग की कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी ने बताया कि बाढ़ की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुल पर आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई है प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पानी कम होने तक नदी या पुल पार करने का प्रयास न करें और केवल प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

लगातार बारिश से वन विभाग का पुल क्षतिग्रस्त, 9 गांवों का संपर्क प्रभावित होने का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली क्षेत्र में कंचनपुर-उमरिया मार्ग पर स्थित वन विभाग का पुल लगातार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है तेज बहाव से पुल के नीचे की मिट्टी पूरी तरह बह जाने के कारण पुल हवा में लटक गया है जिससे किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बढ़ गई है। सूचना मिलते ही वन विभाग ने एहतियात के तौर पर पुल पर आवागमन रोक दिया और ग्रामीणों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था कर दी यह पुल खरबर, डेवा, देवमठ, कछमेछ, कंचनपुर, उमरिया सहित नौ गांवों को जिला मुख्यालय सीधी और ब्लॉक मुख्यालय मझौली से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है पुल क्षतिग्रस्त होने से इन गांवों के लोगों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग ने करीब पांच वर्ष पहले पुल का निर्माण कराया था लेकिन कटाव रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए लगातार बारिश के कारण तेज जलप्रवाह ने पुल की नींव कमजोर कर दी और नीचे की मिट्टी बह गई मंगलवार दोपहर ग्रामीणों ने संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ राजेश कन्ना टी को पुल की स्थिति की जानकारी दी।सूचना मिलते ही बुधवार सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने पुल की ओर जाने वाले रास्ते को बड़े-बड़े पेड़ रखकर बंद कर दिया, ताकि कोई वाहन या व्यक्ति जोखिम उठाकर पुल का उपयोग न कर सके वन विभाग ने ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग भी तैयार कराया है जिससे फिलहाल आवागमन जारी है ग्राम पंचायत डेवा के निवासी महावीर यादव ने विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुल का जल्द स्थायी निर्माण कराने की मांग की डीएफओ राजेश कन्ना टी ने बताया कि लगातार बारिश से पुल के नीचे की मिट्टी का कटाव हुआ है लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुल पर आवाजाही रोक दी गई है उन्होंने कहा कि बारिश समाप्त होने के बाद तकनीकी परीक्षण कर पुल की स्थायी मरम्मत और आवश्यक निर्माण कार्य कराया जाएगा ताकि भविष्य में सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

NEET में नहीं मिली MBBS सीट, फिर भी नहीं मानी हार दो महीने में पांच सरकारी नौकरियों में चयनित हुई शुभांगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शाहपुर गांव की 21 वर्षीय शुभांगी मिश्रा ने अपनी मेहनत अनुशासन और आत्मविश्वास के दम पर सफलता की नई मिसाल कायम की है। NEET परीक्षा में 570 अंक हासिल करने के बावजूद उन्हें MBBS में प्रवेश नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की और महज दो महीने में पांच सरकारी नौकरियों में चयनित होकर युवाओं के लिए प्रेरणा बन गईं शुभांगी ने शहडोल के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर से 12वीं तक की पढ़ाई हिंदी माध्यम से की सीमित संसाधनों और बिना किसी कोचिंग के उन्होंने कोविड-19 के दौरान अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकों से स्वयं अध्ययन कर NEET की तैयारी की पहले प्रयास में उन्हें 400 अंक मिले जबकि दूसरे प्रयास में 570 अंक प्राप्त हुए इसके बावजूद MBBS सीट नहीं मिलने पर उन्होंने अपना लक्ष्य बदला और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी रोजाना 8 से 10 घंटे की नियमित पढ़ाई के दम पर शुभांगी का चयन मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (कॉन्स्टेबल), पुलिस उपनिरीक्षक (SI), सहायक उपनिरीक्षक (ASI स्टेनो), एसएससी स्टेनोग्राफर और उपनिरीक्षक (सूबेदार एम) सहित पांच सरकारी सेवाओं में हुआ वर्तमान में वह मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक के रूप में प्रशिक्षण ले रही हैं इसके साथ ही उनका अगला लक्ष्य सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करना है शुभांगी अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवार के सहयोग को देती हैं उनके पिता श्याम कुमार मिश्रा पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन कार्यालय में प्रधान आरक्षक हैं। उनका कहना है कि शुभांगी बचपन से ही अनुशासित रही हैं और उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर मोबाइल का उपयोग केवल पढ़ाई के लिए किया शुभांगी का संदेश है कि किसी एक परीक्षा में असफलता जीवन की अंतिम मंजिल नहीं होती यदि आत्मविश्वास मेहनत और अनुशासन बनाए रखा जाए तो सफलता अवश्य मिलती है उनका मानना है कि निरंतर प्रयास ही हर लक्ष्य तक पहुंचने का सबसे बड़ा मंत्र है।

टमसार स्वास्थ्य केंद्र का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर, मरीजों से जाना उपचार का हाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर ने बुधवार को टमसार स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण कक्ष, प्रसूति कक्ष, टीकाकरण कक्ष तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया और कहा कि प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार किया जाए, ताकि उन्हें बेहतर उपचार के साथ विश्वासपूर्ण वातावरण भी मिल सके निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं के स्टॉक, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तथा साफ-सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने तथा मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाएं न लिखने के निर्देश दिए।

विजय लक्ष्मी मिश्रा बनीं रीवा ग्रामीण महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष, संगठन में उत्साह का माहौल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के नेतृत्व ने रीवा ग्रामीण महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष के पद पर विजय लक्ष्मी मिश्रा की नियुक्ति की है। उनकी नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिला कांग्रेस संगठन में उत्साह का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की उम्मीद जताई है विजय लक्ष्मी मिश्रा की नियुक्ति अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के मार्गदर्शन, मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बरसिया के निर्देशन तथा मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा पर की गई है पार्टी नेतृत्व ने उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय सामाजिक योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है विजय लक्ष्मी मिश्रा पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से रीवा जिले में समाजसेवा और कांग्रेस संगठन से जुड़ी हुई हैं। इस दौरान उन्होंने महिला कांग्रेस और पार्टी संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण के मुद्दों पर उनकी सक्रिय भूमिका तथा संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में रीवा ग्रामीण महिला कांग्रेस को नई दिशा मिलेगी और जिले की अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का अभियान गति पकड़ेगा साथ ही महिला कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी नियुक्ति के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं और महिला कांग्रेस की सदस्याओं ने विजय लक्ष्मी मिश्रा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सक्रिय, मजबूत तथा जनसरोकारों से जुड़ा होगा उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और महिलाओं की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प भी दोहराया।

कलेक्टर ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय टमसार का किया निरक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर ने बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय टमसार का निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं छात्रावास व्यवस्थाओं का अवलोकन किया उन्होंने छात्राओं के साथ संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, सीखने की गुणवत्ता, विषयों की समझ तथा विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की संवाद के दौरान कलेक्टर ने छात्राओं से विभिन्न विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे और उनकी शैक्षणिक तैयारी का आकलन किया उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षाओं छात्रावास भोजन व्यवस्था स्वच्छता पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित स्वच्छ और सुविधायुक्त आवासीय वातावरण उपलब्ध कराया जाए साथ ही शिक्षण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार नियमित शैक्षणिक मूल्यांकन तथा प्रत्येक छात्रा की सीखने की क्षमता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए कलेक्टर ने कहा कि आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं बल्कि छात्राओं के व्यक्तित्व का समग्र विकास करना भी है इसलिए विद्यालय में ऐसा वातावरण तैयार किया जाए, जिससे छात्राएं आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और अपने भविष्य के प्रति सजग बन सकें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी साझा किए इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, बीआरसीसी अंगिरा द्विवेदी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के सफल संचालन को लेकर बैठक आयोजित एसडीएम प्रिया पाठक ने खंड स्तरीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए बुधवार को जनपद पंचायत सीधी के मिनी सभागार में एसडीएम गोपद बनास प्रिया पाठक की अध्यक्षता में खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई बैठक में 07 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले अभियान की तैयारियों एवं कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की गई बैठक में एसडीएम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गुरुवार तक सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई (जन आकांक्षा पोर्टल) तथा लोक सेवा गारंटी से संबंधित सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को सभी खंड स्तरीय अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में आवश्यक दस्तावेजों के साथ भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त ऑफलाइन आवेदनों का मौके पर संधारण कराते हुए उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा संबंधित आवेदनों को निर्धारित पोर्टल पर दर्ज कराया जाएगा, ताकि नागरिकों को त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध हो सकें बैठक में एसडीएम प्रिया पाठक ने अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, निर्धारित समय-सीमा का पालन करने तथा आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की सेवाओं को आमजन तक सरल सुगम एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना है इसलिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

संचालनालय चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश
वेबसाईट-www.medicaleducation.mp.gov.in
6वी मंजिल, सतपुड़ा भवन, भोपाल (म.प्र)
दूरभाष क्र. 0755-2550186
ई-मेल dme12001@vahoo.com

क्रमांक 3038/4/ प्रवेश/ संचिशि/2026 भोपाल दिनांक 3/08/2026

विज्ञप्ति

शासकीय एवं स्वशासी चिकित्सा तथा दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं निजी चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों (एमबीबीएस/बीडीएस) में राज्य कोटे की सीटों एवं एनआरआई सीटों पर प्रवेश हेतु नीट यू0जी0 2026 की ऑनलाईन काउंसिलिंग हेतु पंजीकरण के संबंध में सूचना

संचालनालय चिकित्सा शिक्षा द्वारा नीट यू.जी. 2026 की मेरिट के आधार पर मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम 2018 एवं समय-समय पर जारी संशोधनों के अधीन शासकीय एवं स्वशासी तथा निजी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों की स्टेट कोटा सीटों एवं एनआरआई सीटों पर प्रवेश हेतु यू0जी0 2026 की ऑनलाईन काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया दिनांक 05.08.2026 से दिनांक 13.08.2026 रात्रि 11:59 बजे तक की जायेगी। पंजीकरण एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया निर्धारित पोर्टल https://dme.mponline.govt.in पर संपादित की जायेगी। काउंसलिंग की विस्तृत समय सारणी संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की वेबसाईट www.medicaleducation.mp.gov.in एवं काउंसलिंग हेतु निर्धारित पोर्टल https://dme.mponline.govt.in पर प्रदर्शित की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि काउंसिलिंग से संबंधित जानकारी के लिये संचालनालय की वेबसाईट एवं एम.पी. ऑनलाईन पोर्टल के सतत् सम्पर्क में रहें।

संचालक
चिकित्सा शिक्षा म. प्र

G16720/26

कैसे सुधरे शहरों की सूरत

संपादकीय

तरुण गुप्त

भारत में बारिश चिरपरिचित अंतर्विरोधों को ही उजागर करती है। यह दुविधा बढ़ जाती है कि बरसात में खुशी मनाई जाए या फिर उसके बाद के हालात पर अफसोस। हमें शर्म के साथ इस सच को स्वीकारना होगा कि हमारे शहरों की गिनती दुनिया के सबसे गंदों शहरों में होती है। शहरों की इस दशा का एक प्रमुख कारण उनकी सीवेज व्यवस्था की ढांचागत कमियां हैं। अधिकांश शहरों एवं कस्बों के आधे से भी कम हिस्से सीवेज नेटवर्क से जुड़े हैं। कई क्षेत्रों में सीवेज लाइनें और पाइप कनेक्शन गायब हैं। शोधन की क्षमता बहुत कम है। बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाए गए बरसाती नालों में अशोधित सीवेज और औद्योगिक कचरे का बहना जारी है। यही खुले नाले अंततः नदियों में मिल जाते हैं। फिर नदियों और नालों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस संदर्भ में %नमामि गंगे% जैसी योजना के माध्यम से बड़ी सरकारी पहल हुई है, जिसका उद्देश्य है नदी में गिरने से पहले सीवेज को शोधित करना। इससे नदियों के मुहाने पर प्रदूषण घटाने में तो मदद मिल सकती है, पर पूरे शहर में बहते खुले सीवेज से जुड़े खतरों के जोखिम तो बने ही रहेंगे। इसके कारण वायु, जल एवं मृदा के दूषित होने के साथ ही बैक्टीरिया, फंगस और मच्छर जनित बीमारियों का एक अंतहीन सा सिलसिला जुड़ जाता है। ऐसे में खुले में शौच से मुक्ति की उपलब्धि वास्तविकता से कोसों दूर लगती है।

समस्या स्पष्ट है, समाधान भी सीधा है, परंतु हमारी सामूहिक उदासीनता बहुत सालती है। क्या हम रहने योग्य और स्वच्छ शहर पाने के हकदार नहीं हैं? बिना सीवेज शोधन के यह संभव नहीं है। समय आ गया है कि देश सार्वभौमिक सीवेज नेटवर्क की दिशा में सक्रिय रूप से प्रयास करे। यह काम रातोंरात नहीं हो सकता, पर कदम तो बढ़ाने ही होंगे। हमें एक चरणबद्ध दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी शुरुआत विकास के इंजन माने जाने वाले शीर्ष 100 शहरों से हो। फिर योजनाबद्ध तरीके से इसका विस्तार सभी शहरी और ग्रामीण बस्तियों में किया जाए। इस राह में अक्सर वित्तीय संसाधनों के अभाव को एक बाधा माना जाता है, पर सार्वजनिक विमर्श में कभी-कभार किसी चर्चा को लेकर हंगामे के बजाय उसमें स्पष्टता के भाव की महत्ता कहीं अधिक होती है।

इस संदर्भ में टियर-2 या टियर-3 शहर के परिप्रेक्ष्य में नीतिगत उदाहरण पर विचार करें, जहां सीवेज नेटवर्क आधे से भी कम हिस्से को कवर करता है। अनुमानों के अनुसार इसे शत-प्रतिशत मानकों के अनुरूप अपग्रेड करने के लिए औसतन 5,000 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश की आवश्यकता होगी। इससे एक ऐसी एकीकृत जल निकासी प्रणाली विकसित होगी, जहां समर्पित पाइपलाइनें पूरे शहर को कवर करें और पूरे सीवेज को चिह्नित शोधन इकाइयों तक पहुंचाएं, जहां इसे रीसाइकिल या सुरक्षित रूप से विसर्जित किया जा सके। स्वच्छता से जुड़ी तमाम पहलों के तहत इन खर्चों को उठाने का साझा दायित्व केंद्र, राज्य और स्थानीय निकायों का है। भारतीय शासन व्यवस्था के इन तीनों स्तरों का सम्मिलित वार्षिक खर्च लगभग 100 लाख करोड़ रुपये है। इतने बड़े पैमाने पर भूमिगत नेटवर्क बिछाने में कम से कम पांच साल का समय लगेगा। यदि हम आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण शीर्ष 100 शहरों को ही देखें तो उन्हें पूरी तरह सीवेज-युक्त बनाने के लिए लगभग पांच लाख करोड़ रुपये की पूंजी चाहिए होगी, जिसे पांच साल की अवधि में खर्च किया जाएगा। यह राशि एक वर्ष के कुल सार्वजनिक व्यय का लगभग 5 प्रतिशत और पांच वर्षों के कुल सरकारी खर्च का महज एक प्रतिशत ही है।

नियम बना जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार

राजीव सचान

इसी 13 जुलाई को लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हुआ था। यह एक नया छह लेन का एलिवेटेड मार्ग है। इसकी लागत 4,200 करोड़ रुपये थी। उद्घाटन के बाद से यह मार्ग अलग-अलग जगहों पर कम से कम पांच बार धंस चुका है। स्थिति यह है कि निर्माण एजेंसी एक जगह सड़क सही करती है तो दूसरी जगह कोई खामी आ जाती है। कहना कठिन है कि यह सिलसिला कब तक कायम रहेगा, लेकिन जिस तरह यह सड़क बार-बार धंस रही है, उससे बिना किसी किंतु-परंतु यह कहा जा सकता है कि इसका निर्माण दोयम दर्जे का है। यदि कोई नई बनी सड़क लोकार्पण के 20 दिन के भीतर पांच बार जगह-जगह धंस जाए तो ऐसे किसी नतीजे पर पहुंचने के अलावा भला और क्या उपाय रह जाता है कि उसके निर्माण में जमकर लूट-खसोट की गई है? यह कोई आम सड़क नहीं है। यह एक्सप्रेसवे है। 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर कारों के लिए एक तरफ का टोल 275 रुपये तय किया गया है। इस तरह प्रति किमी टोल करीब 4.37 रुपये है। इसके चलते इसे देश के सबसे महंगे टोल वाला एक्सप्रेसवे कहा जा रहा है। चूंकि इस एक्सप्रेसवे के बार-बार धंसने से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की फजीहत हो रही थी, इसलिए जांच के आदेश दिए गए और जांच पूरी होने तक तीन अभियंताओं को कार्य से हटा दिया गया। निलंबन की कार्रवाई से कुछ नहीं होता। होता इससे भी कुछ नहीं है कि दोयम दर्जे के निर्माण की दोषी कंपनियों को कई बार काली सूची में डाल दिया जाता है, क्योंकि वे कई बार नाम बदलकर नए सिरे से काम करने लगती हैं। यह पहला ऐसा मामला नहीं, जो घटिया निर्माण की कहानी चीख-चीख कर कह रहा हो। इस तरह के मामले सामने आते ही रहते हैं। बारिश में कुछ ज्यादा ही आते हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि इन दिनों देश भर से सड़कों के धंसने-टूटने की खबरें आ रही हैं। इनमें से कुछ सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का कारण अत्यधिक बरसात है, लेकिन ज्यादातर सड़कें तो मामूली वर्षा के कारण ही धंस जा रही हैं। ऐसा इसलिए है, जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार एक अलिखित नियम बन गया है। इस भ्रष्टाचार के चलते सड़कों, पुलों, सरकारी भवनों आदि का निर्माण दोयम दर्जे का हो रहा है। ऐसे ही निर्माण के कारण ऐसी खबरें आती हैं कि पहली बरसात में ही सड़क धंस गई, पुल क्षतिग्रस्त हो गया या फिर किसी सरकारी भवन की छत से पानी टपकने लगा अथवा वह जलमग्न हो गया। देश को विकसित बनाने का लक्ष्य अब 21 वर्ष दूर है। यह समय बताएगा कि 2047 तक भारत विकसित देशों जैसा बन पाएगा या नहीं, लेकिन फिलहाल यह देखा जा सकता है कि किसी देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बुनियादी ढांचे का निर्माण किस तरह हो रहा है? निःसंदेह देश में बहुत कुछ बन रहा है, जैसे सड़कें, पुल, हवाई अड्डे, बस स्टेशन, मेट्रो नेटवर्क, रेलवे स्टेशन आदि, लेकिन क्या इन सबका निर्माण दुरुत गति से हो रहा है? यह तो कहा जा सकता है कि पहले की तुलना में निर्माण कार्यों की गति अपेक्षाकृत अधिक है, लेकिन यह कहना बहुत कठिन है कि वह वास्तव में तेज गति से हो रहा है। इससे अधिक कठिन यह कहना है कि क्या निर्माण कार्यों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय और भरोसेमंद है? यदि इस प्रश्न का उत्तर हां में होता तो नई बनी सड़कों के धंसने, पुलों के क्षतिग्रस्त होने और यहां तक कि गिरने का सिलसिला नजर नहीं आता। इस सिलसिले से यही लगता है कि हर तरफ दोयम दर्जे का निर्माण हो रहा है। हमारे देश मे अंग्रेजों के समय में बना बुनियादी ढांचा तो आज भी अक्षुण्ण है, लेकिन हमारे अपने लोगों द्वारा बनाया गया ढांचा गया-बीता सिद्ध हो रहा है। स्थिति यह है कि पुल उद्घाटन के पहले ही गिर जा रहे हैं। दोयम दर्जे के निर्माण के मूल में कमीशनबाजी यानी भ्रष्टाचार है। चूंकि कमीशनखोरी की दरें बढ़ती जा रही हैं, इसलिए निर्माण कार्यों के दोयम दर्जे के होने के मामले भी बढ़ रहे हैं। जहां कहीं भी निर्माण हो रहा है, वह बिना किसी भ्रष्टाचार के पूरा नहीं हो पा रहा है। जहां कहीं निर्माण होता है, वहां भ्रष्टाचार अपना ठिकाना बना ही लेता है। वास्तव में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि हर सरकारी निर्माण की नींव भ्रष्टाचार के ईंट-गारे से रखी जा रही है।

कट्टरता से लड़ने वाला निडर चेहरा

क्षमा शर्मा

बेबाक लेखिका तसलीमा नसरीन आखिरकार 19 साल बाद कोलकाता जा पाईं। वे अनेक बार ऐसी इच्छा प्रकट कर चुकी थीं कि बंगाल में ही रहना चाहती हैं, क्योंकि बांग्लादेश की होने के नाते बंगाल उन्हें अपना दूसरा घर लगता है। यह कितने आश्चर्य की बात है कि तसलीमा को बंगाल से जाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के जमाने में कहा गया था। बुद्धदेव मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी सरकार के नेता थे। यह दल अपने को सांप्रदायिक ताकतों से लड़ने वालों में अव्वल कहता है। तो भला क्यों तसलीमा को वहां से हटाया गया, जबकि उनसे ज्यादा कट्टरपंथियों से लड़ाई किसने की और इससे बड़ा दंड क्या होगा कि रातोंरात उन्हें बांग्लादेश छोड़कर आना पड़ा था? पेशे से डाक्टर, लेकिन लेखिका तसलीमा का कुसूर क्या था? यही कि उन्होंने लज्जा और दो भागों में द्विखंडिता जैसी पुस्तकें लिखीं। लज्जा में उन्होंने अयोध्या ढांचे के ध्वंस के बाद की घटनाओं का उल्लेख किया कि कैसे बांग्लादेश में वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उन पर हमले हुए। सैकड़ों की संख्या में मंदिर तोड़ दिए गए। हत्याएं भी की गईं। इस सबको लिखने को वहां के कट्टरपंथियों ने अपराध की तरह देखा। सरकार कट्टरपंथियों के आगे झुक गई। उन दिनों वहां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया की सरकार थी। खालिदा अपने भारत विरोधी रुख के लिए जानी जाती थीं। तसलीमा को उनके कुछ मित्रों ने वहां से निकलने में मदद की, अन्यथा आज शायद वे जिंदा भी न होतीं। अपनी आत्मकथा द्विखंडिता में भी उन्होंने बांग्लादेश के एक बहुत बड़े वामपंथी लेखक से अपने निजी संबंधों को उजागर किया था। इस पर वे लेखक महोदय इतने नाराज हुए कि कट्टरपंथियों की उस मुहिम में शामिल हो गए, जो तसलीमा की हत्या, इस्लाम के कथित अपमान के कारण करना चाहते थे। एक लेखक का ऐसा करना शर्मनाक था, लेकिन शायद ही किसी ने इस लेखक की इस बात के लिए निंदा की कि तसलीमा से बदला लेने के लिए वे उनका साथ देने लगे, जिनका अब तक विरोध करते आए थे। तब तसलीमा न लेखिका रहीं, न ही स्त्री, न ही उनके कोई अधिकार ही। चूंकि तसलीमा ने अल्पसंख्यकों का पक्ष लिया, इसलिए इसकी सजा उन्हें बंगाल सरकार ने भी दी। तब कोलकाता छोड़कर उन्हें दिल्ली में शरण लेनी पड़ी। उनकी चुनौतियां देखी जानी चाहिए कि 1994 से अब तक वे लगातार सुरक्षा के साए में ही जी रही हैं। उनकी इसके लिए तारीफ करनी होगी कि वे अपने रुख से कभी पलटी नहीं। जब मौका मिला, कट्टरपंथियों पर हमलावर रहीं। एक बार हैदराबाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने गईं, तो एआइएमआइएम के लोगों ने हमला कर दिया। कुछ साल पहले सलमान रुश्दी पर भी इसी तरह अमेरिका में एक मतांध लड़के ने चाकू से हमला किया और उनकी एक आंख चली गई। पिछले कुछ दशकों में तसलीमा और रुश्दी को छोड़कर किस और लेखक ने अपने विचारों के कारण इतनी आफतें झेली हैं। वे कट्टरपंथियों से अपनी जान बचाते फिर रहे हैं। हमारे देश में जो लोग अक्सर अल्पसंख्यकों की रक्षा के नाम पर दोहरे हुए जाते हैं, वे इन दोनों लेखकों का नाम कभी भी नहीं लेते। शायद तसलीमा का अपराध यही है कि उन्होंने अपने देश के उन अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा की बात की, जो कट्टरपंथियों के निशाने पर रहते हैं। चूंकि अल्पसंख्यक कहलाने वाले ये लोग हिंदू हैं, इसलिए ऐसा लगता है कि न बाहर के किसी देश में और न भारत में उनका कोई पक्ष लेने वाला है। उनके लिए बोलने वाले भी तत्काल ब्लैकलिस्ट कर दिए जाते हैं। हाल में कश्मीर में कुलगाम के एक ईंट-भट्ठे में काम करने वाले दो गरीब हिंदू होने के कारण मारे गए, लेकिन मजदूरों के लिए काम करने वाली किसी पार्टी को भी उनकी याद नहीं आई। कश्मीर में जो कुछ हिंदुओं के साथ हुआ या पंजाब में, वह सब हमारी पीढ़ी ने अपनी आंखों से देखा है। अफसोस यह है कि बात तो हम धार्मिक भेदभाव भूलने की करते हैं, पर अपने विचारों को बहुत बच-बचकर प्रकट करते हैं। तभी तो किसी के लिए हमारे पास आंसू हैं और किसी की जान जाने पर एक मौन पसरा रहता है। आखिर आंसू भी तब क्यों आएं, जब पता चले कि कौन मरा? यदि कट्टरपन से लड़ना है, तो हर तरह के पिछड़े विचार पर सवाल उठाना होगा। यह जो चुनी हुई चुप्पियां और चुना हुआ शोर है, मजहबी कट्टरता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के हनन का सबसे बड़ा कारण है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, कोई भी जान गंवाए, उसकी निंदा की जानी चाहिए। किसी भी निर्दोष की जान जाए, वह दुखद, शोक और निंदा के योग्य है। ऐसा क्यों है कि हिंदुओं को चुन-चुनकर मारने पर किसी प्रकार के दुख का अहसास तक न हो। एकपक्षीय सोच ज्यादातर लेखकों में भी दिखाई देता है। वे भी नेताओं की तरह कभी चुप लगाते हैं, कभी आसमान फाड़ू शोर मचाते हैं। राजनीतिक दलों को तो चुनाव लड़ना है, लेकिन आखिर लेखकों को कौन सा चुनाव लड़ना है, जो किसी घटना पर बोलते हैं और किसी पर चुप्पी साध लेते हैं। तसलीमा न केवल लेखिका हैं, बल्कि एक स्त्री भी हैं, लेकिन सब जानते हैं कि उनकी त्रासदी को स्त्री अधिकारों की बात करने वाले लोगों ने भी अपने-अपने विमर्श से बाहर ही रखा।

पांच ट्रिलियन डॉलर की ओर तेज गति से बढ़ता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां अनिश्चितता ही सबसे बड़ी स्थिरता बन गई है। ऊंची मुद्रास्फीति, संरक्षणवादी व्यापार नीतियां और धीमी आर्थिक वृद्धि ने विकसित देशों तक की विकास गति को कमजोर कर दिया है। ऐसे चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण में यदि कोई बड़ी अर्थव्यवस्था लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है, तो वह भारत है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का यह अनुमान कि भारत वित्त वर्ष 2028-29 तक 5.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। वस्तुतः आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत तथ्य इस विश्वास को और मजबूत करते हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई, जब अनेक विकसित अर्थव्यवस्थाएं दो से तीन प्रतिशत की वृद्धि के लिए भी संघर्ष कर रही थीं। इसके बाद वर्तमान वित्त वर्ष में भी भारत की जीडीपी की स्थिति बहुत अच्छी है।

कह सकते हैं कि भारत की यह गति बताती है कि उसकी विकास यात्रा किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है, बल्कि घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण, सार्वजनिक निवेश और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे अनेक मजबूत स्तंभों पर आधारित है। जिसमें कि जब हम पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने की बात कहते हैं, तब इसका अर्थ सिर्फ जीडीपी के आकार बढ़ जाने तक सीमित नहीं है, इसका अर्थ है;भारत के प्रति दुनिया के निवेशकों का बढ़ता विश्वास, अधिक औद्योगिक उत्पादन, तेजी से बढ़ता निर्यात, करोड़ों नए रोजगार, बेहतर आधारभूत संरचना और वैश्विक आर्थिक निर्णयों में भारत की अधिक प्रभावशाली भूमिका का हो जाना। यह तो सार्वजनिक सत्य है ही कि जिस देश की अर्थव्यवस्था जितनी बड़ी होती है, उसकी वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक हैसियत भी उतनी ही मजबूत होती है। यही कारण है कि भारत का यह लक्ष्य सामरिक और वैश्विक महत्व का भी है।इस लक्ष्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकार ने उसके अनुरूप आर्थिक आधार भी तैयार किया है। बजट 2026-27 में प्रभावी पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 17.15 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.4 प्रतिशत है। इनमें से 12.22 लाख करोड़ रुपये सड़क, रेलवे, बंदरगाह, पुल, लॉजिस्टिक्स और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। विश्व बैंक, ओईसीडी और एशियाई विकास बैंक जैसे संस्थान लंबे समय से यह रेखांकित करते रहे हैं कि आधारभूत संरचना में निवेश का गुणक प्रभाव सबसे अधिक होता है। इससे निर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, रोजगार सृजित होता है, उद्योगों की लागत घटती है और निजी निवेश को भी गति मिलती है। भारत की वर्तमान विकास रणनीति इसी आर्थिक सिद्धांत पर आधारित दिखाई देती है। सरकार ने राजकोषीय अनुशासन को भी समान महत्व दिया है। बजट में राजकोषीय घाटे को 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने और वर्ष 2031 तक केंद्र सरकार के ऋण को जीडीपी के लगभग 50 प्रतिशत के दायरे में लाने का लक्ष्य यह संकेत देता है कि विकास और वित्तीय स्थिरता को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। वस्तुतः यही संतुलन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विश्वसनीयता का आधार बनता है। घरेलू मांग को मजबूत बनाने की दिशा में नया आयकर अधिनियम-2025 भी महत्वपूर्ण कदम है। 12.75 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर राहत से मध्यम वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। जब उपभोग बढ़ता है, तब उत्पादन बढ़ता है, निवेश बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। इसके साथ ही भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दे रही है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, %मेक इन इंडिया%, अनुबंध विनिर्माण को बढ़ावा, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विस्तार और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 यह संकेत देते हैं कि भारत अब उच्च मूल्य वाले विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की तैयारी कर रहा है। वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण कर रही हैं और भारत उनके लिए सबसे विश्वसनीय विकल्पों में उभर रहा है। मोबाइल फोन निर्यात से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तक भारत की बढ़ती हिस्सेदारी इस परिवर्तन की शुरुआती झलक भी दे रही है। सरकार ने विकास के जिन पांच स्तंभों- आधारभूत संरचना, विनिर्माण, कृषि आधुनिकीकरण, व्यापार सुगमता और डिजिटलीकरण को प्राथमिकता दी है, वे वास्तव में भविष्य की भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। वर्तमान में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, राष्ट्रीय जलमार्गों का विस्तार, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यूपीआई, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और कौशल विकास जैसी पहलें यह दर्शाती हैं कि भारत आने वाले दशकों की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर निवेश कर रहा है। विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र पर सरकार का जोर अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही क्षेत्र भारत में सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है और निर्यात का भी बड़ा आधार है। यदि छोटे उद्योगों को सस्ती पूंजी, बेहतर तकनीक, सरल नियम और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलती है, तो पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य अधिक तेजी से प्राप्त किया जा सकता है।

यही कारण है कि बजट में ऋण गारंटी योजनाओं, औद्योगिक क्लस्टरों के पुनर्जीवन और संस्थागत वित्त तक पहुंच बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया है। यह सही है कि भारत ने पहले वर्ष 2024-25 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा था, किंतु वैश्विक महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियां, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, वैश्विक मुद्रास्फीति और डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में बदलाव ने उस समयसीमा को प्रभावित किया। किंतु महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य नहीं बदला, केवल समय बदला है। आर्थिक विकास की दिशा और गति आज भी बनी हुई है। यही किसी भी मजबूत अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा संकेत होता है। निस्संदेह, आगे की राह आसान नहीं है। वैश्विक अनिश्चितताओं, ऊर्जा कीमतों, जलवायु परिवर्तन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में संभावित व्यवधानों पर लगातार नजर रखनी होगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। जब आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन, किसानों की आय, उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता में वास्तविक सुधार का माध्यम बनती है, तभी वह विकास टिकाऊ और सार्थक कहलाता है। ऐसे में कहना यही होगा कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करने की प्रक्रिया है।

बचपन की कोई कीमत नहीं होती, न्याय केवल मुआवजा नहीं, जीवन का सहारा भी होना चाहिए

'मां... मैं फिर कब दौड़ पाऊंगी?' यह प्रश्न किसी पांच वर्ष की बच्ची का है, जिसने शायद अभी जीवन का अर्थ भी ठीक से नहीं समझा था। उसे यह नहीं पता कि रीढ़ की हड्डी में लगी चोट क्या होती है, स्थायी लकवा क्या होता है और व्हीलचेयर पर बीतने वाला जीवन कितना लंबा और कठिन होता है। उसे तो बस इतना मालूम है कि पहले वह अपने दोस्तों के साथ खेलती थी, आंगन में तितलियों के पीछे दौड़ती थी, मां की उंगली छोड़कर स्कूल की ओर भागती थी, वैसा ही उसका जीवन फिर से हो जाए, क्योंकि पैर उसकी सुनते ही नहीं, वह उठना चाहती है, दौड़ना चाहती है।

डॉ. निवेदिता शर्मा

अब उसके बचपन का बड़ा हिस्सा अस्पतालों, दवाइयों, फिजियोथेरेपी, डायपर, कैथेटर और दूसरों की मदद पर निर्भर हो गया है। शायद इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसा निर्णय दिया है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि जब किसी बच्चे का पूरा भविष्य सड़क दुर्घटना में छिन जाए, तब उसकी विकलांगता का आकलन उसके पूरे जीवन पर पड़े प्रभाव से किया जाएगा।

23 जून 2018 को एक पांच वर्षीय बच्ची अपनी मां और दादी के साथ यात्रा कर रही थी। तेज गति से चल रही कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे ने उस बच्ची की रीढ़ की हड्डी को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया और वह स्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गई। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने उसे लगभग 14.84 लाख रुपये का मुआवजा दिया, जिसे बाद में उच्च न्यायालय ने कुछ बढ़ाकर लगभग 20 लाख रुपये के आसपास पहुंचाया, परन्तु प्रश्न यह था कि क्या इतनी राशि उस बच्ची के जीवनभर की चिकित्सा, देखभाल, शिक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन के अधिकार की भरपाई कर पाएगी? इसी गहरे प्रश्न का उत्तर सर्वोच्च न्यायालय ने मानवीय दृष्टि से दिया है। न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मुआवजे को बढ़ाकर 87.15 लाख रुपये कर दिया और कहा कि क्षतिपूर्ति की गणना के लिए बच्ची की कार्यात्मक विकलांगता 100 प्रतिशत मानी जाएगी। यह निर्णय इसलिए विशेष है क्योंकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बच्चों के के लिए शरीर के किसी अंग की चिकित्सकीय क्षति को देखना पर्याप्त नहीं है। यदि कोई बच्चा जीवनभर चलने-फिरने, स्वयं बैठने, दैनिक कार्य करने और अपने भविष्य का निर्माण करने की क्षमता खो देता है, तो व्यवहारिक रूप से उसके लिए आय प्राप्त करने की संभावना, स्वतंत्र जीवन और सामान्य बचपन समाप्त हो जाता है, इसलिए ऐसी स्थिति में 'कार्यात्मक विकलांगता' को 100 प्रतिशत मानना ही न्यायोचित होगा। इस तरह से सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में उस पूरे जीवन को देखा जो अब दुर्घटना के कारण पूरी तरह बदल चुका है।

अदालत ने माना कि बच्ची को जीवनभर प्रशिक्षित परिचारक की आवश्यकता होगी। नियमित फिजियोथेरेपी जारी रहेगी। मूत्र असंयम के कारण डायपर और कैथेटर जैसे चिकित्सा उपकरणों पर हर महीने खर्च होगा। उसके माता-पिता पर आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का स्थायी बोझ रहेगा। न्यायालय ने भविष्य की कमाई की क्षमता को भी ध्यान में रखा और कहा कि बच्चों की 'काल्पनिक आय' का निर्धारण मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता। एक तरह से जिस राज्य में दुर्घटना हुई, वहां 2018 में कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन को आधार मानते हुए भविष्य की संभावनाओं के साथ आय का आकलन किया गया। यह सिद्धांत इस बात का प्रतीक है कि कानून अब बच्चों के संभावित भविष्य को भी मूल्यवान मानता है। यहां बताएं कि न्यायालय का यह फैसला कोई अकेला निर्णय नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों से जुड़े मोटर दुर्घटना मामलों में लगातार ऐसी संवेदनशील न्यायिक सोच विकसित की है, जिसने क्षतिपूर्ति के पारंपरिक दृष्टिकोण को नई दिशा दी है। बेबी साक्षी ग्रेओला बनाम मंजूर अहमद सिमोन के मामले में न्यायालय ने यह सिद्धांत स्थापित किया कि नाबालिग बच्चों की काल्पनिक आय का आधार संबंधित राज्य के कुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन होना चाहिए। मई 2026 में 14 वर्षीय पूर्णतः विकलांग बालक के मामले में अदालत ने मुआवजा बढ़ाकर 56.83 लाख रुपये करते हुए कहा कि दुर्घटना के कारण समाप्त हुआ पूरा भविष्य भी न्याय का विषय है। सात वर्षीय सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चे के मामले में न्यायालय ने कहा कि सिर्फ शारीरिक विकलांगता का प्रतिशत नहीं, बल्कि बचपन का आनंद, शिक्षा, युवावस्था, सामाजिक जीवन और विवाह जैसी संभावनाओं के नष्ट होने को भी क्षतिपूर्ति में शामिल किया जाना चाहिए। काजोल बनाम महाराष्ट्र राज्य जैसे ऐतिहासिक मामले में तो सर्वोच्च न्यायालय ने अत्यंत मार्मिक शब्दों में कहा था कि ऐसी बच्ची अपने मित्रों के साथ खेल नहीं सकेगी, जीवन की सामान्य खुशियों का अनुभव नहीं कर सकेगी और यह क्षति किसी साधारण गणना से नहीं आंकी जा सकती। इन निर्णयों ने बीमा कंपनियों के लिए भी स्पष्ट संदेश दिया है कि गंभीर रूप से घायल बच्चों के मामलों में औपचारिक मुआवजा देना पर्याप्त नहीं होगा।

क्योंकि क्षतिपूर्ति का उद्देश्य पीड़ित बच्चे के पूरे जीवन को यथासंभव सम्मानजनक बनाना है। हर दुर्घटना किसी परिवार के सपनों को तोड़ती है। एक क्षण की लापरवाही किसी बच्चे का पूरा जीवन बदल देती है, इसलिए सड़क सुरक्षा यातायात नियमों का विषय तो है ही, साथ में बाल अधिकारों का भी विषय है। वाहनों की तेज गति, लापरवाह ड्राइविंग, सीट बेल्ट और बाल सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी, ओवरलोडिंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन अंततः सबसे बड़ी कीमत उन मासूमों से वसूलता है, जिनका इन गलतियों से कोई संबंध नहीं होता। बच्चों का अधिकार उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ, सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन का अधिकार देता है, जबकि राज्य के नीति-निर्देशक तत्व बच्चों के संरक्षण और उनके समुचित विकास पर विशेष बल देते हैं। ऐसे में जब कोई सड़क दुर्घटना किसी बच्चे के पूरे भविष्य को अंधकार में धकेल देती है, तब न्यायालय का दायित्व हो जाता है कि उस संवैधानिक गरिमा की रक्षा करना जिसके कि ये बच्चे भी सच्चे अधिकारी हैं। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी संवेदनशील संवैधानिक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यहां न्याय यह सुनिश्चित करता है कि दुर्घटना के बाद उसका शेष जीवन अभाव, असहायता और उपेक्षा में न बीते।

जिले की कानून व्यवस्था को लेकर बैठक सम्पन्न

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने दिए सख्त एक्शन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े तथा पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने संयुक्त जिला कार्यालय भवन के वीसी कक्ष में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में आगामी त्योहारों, विश्व आदिवासी दिवस, सावन सोमवार, पर्यटन स्थलों की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, सीमावर्ती चेकपोस्टों की निगरानी, अवैध गतिविधियों की रोकथाम तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में सबसे पहले कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने सभी अधिकारियों को आगामी त्योहारों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, जिले की सीमाओं पर स्थापित चेक पोस्टों में सघन निगरानी रखने, वाहनों की नियमित जांच करने तथा खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए निरंतर अभियान चलाने तथा सभी अधिकारियों को पूरी कर्तव्यनिष्ठा एवं समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिले में उपलब्ध काउ कैचर की जानकारी ली तथा सभी एनएच पर घूम रहे पशुओं को पिपरिया गौठान में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पशु मालिकों की पहचान सुनिश्चित करने, पशुओं की नंबरिंग कराने तथा लापरवाही बरतने वाले पशुपालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही एनएच एवं चिरमिरी के 36 मोड़ सहित अन्य स्थानों से अतिक्रमण हटाने हेल्पलाइन नंबरों के साइन बोर्ड लगाने तथा सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए कोटाडोल चिरमिरी एवं मनेंद्रगढ़ में लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित करने अवैध पार्किंग हटाने, शहरों में पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा समूहों के माध्यम से पार्किंग संचालन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारी वाहनों के अनावश्यक प्रवेश को नियंत्रित करने 112 आपातकालीन सेवा के साथ सभी विभागों के बेहतर समन्वय तथा नागपुर एवं लाई क्षेत्र में जेब्रा क्रॉसिंग का निर्माण कराने के भी निर्देश दिए इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के साथ कार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने सिद्धबाबा मंदिर सहित जिले के सभी प्रमुख मंदिरों में सावन के तीसरे एवं चौथे सोमवार को पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ स्वास्थ्य विभाग एवं फायर ब्रिगेड की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए चिरमिरी में आयोजित होने वाले बड़े आयोजनों के लिए पूर्व से सुरक्षा व्यवस्था का आकलन कर व्यापक तैयारी करने को कहा पुलिस अधीक्षक ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैठे आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पशुओं में रेडियम पट्टी लगाने पशुपालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई एवं जुर्माना लगाने तथा आवश्यक होने पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए उन्होंने अमृतधारा कर्मघोंगा एवं रमदहा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर शराब गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले तथा उपद्रव फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट कहा कि पर्यटन स्थलों पर किसी भी प्रकार का नशा करना दंडनीय अपराध है और ऐसे मामलों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी सपी रत्ना सिंह ने नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश देते हुए जिले के सभी बदमाशों एवं आदतन अपराधियों के विरुद्ध बाउंड ओवर की कार्रवाई करने तथा बाउंड ओवर का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई कर जेल भेजने के निर्देश दिए बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग रोकने के लिए बिज्जू ढाबा एवं कठौतिया ढाबा क्षेत्र में विशेष कार्रवाई करने सड़क किनारे खड़े वाहनों पर भारी चालान लगाने, जनकपुर में संचालित बसों की फिटनेस जांच कराने तथा आवश्यकतानुसार वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए सभी संबंधित विभागों को संयुक्त अभियान चलाकर अवैध पार्किंग समाप्त करने के लिए कहा गया पुलिस अधीक्षक ने 9 अगस्त को आयोजित होने वाले विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ढाबों में अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई मेडिकल स्टोरों में सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच तथा स्कूलों के आसपास अवैध रूप से बिक रहे तंबाकू, गुटखा, सिगरेट एवं अन्य नशीले पदार्थों के विरुद्ध कोटपा एक्ट के तहत अभियान चलाने के निर्देश दिए।

दीघोद की सरकारी राशन दुकान में 53.5 क्विंटल अनाज का घोटाला उजागर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की कोलारस तहसील के ग्राम दीघोद स्थित शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकान के सत्यापन में राशन वितरण में बड़ी अनियमितता सामने आई है प्रशासनिक जांच के दौरान इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पीओएस) मशीन में लगभग 70 क्विंटल अनाज स्टॉक में दर्ज मिला, जबकि मौके पर मात्र 16.5 क्विंटल अनाज ही उपलब्ध पाया गया इस प्रकार करीब 53.5 क्विंटल अनाज का अंतर मिलने पर प्रशासन ने पंचनामा तैयार कर जांच शुरू कर दी है ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन से चार महीनों से नियमित रूप से राशन नहीं मिल रहा था कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ इसके बाद ग्रामीणों ने कोलारस एसडीएम से शिकायत कर राशन वितरण सुनिश्चित कराने की मांग की थी साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि समय पर राशन नहीं मिला तो वे चक्काजाम करेंगे शिकायत के बाद नायब तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने राशन दुकान का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि ई-पीओएस मशीन में करीब 70 क्विंटल अनाज स्टॉक दर्ज था जबकि मौके पर केवल 8.5 क्विंटल गेहूं और 8 क्विंटल चावल, कुल 16.5 क्विंटल अनाज ही मौजूद था भारी अंतर मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा तैयार कर रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने राशन दुकान के सेल्समैन दिलीप जाटव पर हितग्राहियों का राशन हड़पने तथा लंबे समय से अनियमित वितरण करने के गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि मशीन में दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध अनाज में बड़ा अंतर मिला है मामले में संबंधित प्रबंधन एवं सेल्समैन से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा जवाब प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बूंद-बूंद पानी के संघर्ष से जल संरक्षण की मिसाल तक पहुंचा पाराडोल का बैगा पारा

जल जीवन मिशन ने बदली ग्रामीणों की जिंदगी, घर तक पहुंचा पानी तो महिलाओं और बुजुर्गों को मिली बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करना पाराडोल के बैगा पारा के ग्रामीणों की रोजमर्रा की मजबूरी थी गर्मी हो या बरसात पेयजल के लिए हैंडपंप नदी और कुओं का सहारा लेना पड़ता था पानी लाने में घंटों समय और काफी मेहनत लगती थी महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह पेशानी और भी अधिक कठिन थी। लेकिन आज इसी बैगा पारा की तस्वीर बदल चुकी है जल जीवन मिशन ने यहां पानी की समस्या को दूर करने के साथ ग्रामीण जीवन में सुविधा, स्वच्छता और जागरूकता की नई शुरुआत की पाराडोल के बैगा पारा में कुछ समय पहले तक घर के उपयोग के लिए पानी जुटाना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती था पेयजल के लिए दूर स्थित जल स्त्रोतों पर निर्भरता के कारण ग्रामीणों को रोजाना काफी समय पानी लाने में लगाना पड़ता था पानी ढोने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं और परिवार के बुजुर्ग सदस्यों पर रहती थी पानी की इस समस्या का असर केवल रोजमर्रा के जीवन पर ही नहीं बल्कि ग्रामीणों के समय और श्रम पर भी पड़ता था गांव में पेयजल की स्थायी व्यवस्था की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी जल जीवन मिशन ने पहुंचाया समाधान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन के माध्यम से बैगा पारा में पेयजल व्यवस्था को मजबूत किया गया गांव में जल स्त्रोत विकसित करने के साथ हैंडपंप की सुविधा उपलब्ध कराई गई इसके अलावा 10 हजार लीटर क्षमता की पानी टंकी स्थापित की गई है जिसमें मोटर पंप के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है गांव में पाइपलाइन बिछाकर पेयजल वितरण व्यवस्था को घरों तक पहुंचाया गया अब ग्रामीणों को पानी के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती घर के पास ही पानी उपलब्ध होने से रोजमर्रा के काम आसान हुए हैं और ग्रामीणों के समय व श्रम की बचत हो रही है जल जीवन मिशन की सुविधा का सबसे बड़ा असर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में दिखाई दे रहा है पहले पानी लाने में लगने वाला समय और मेहनत अब बच रही है इससे महिलाएं घर-परिवार के दूसरे कार्यों के साथ-साथ अपनी आजीविका और बच्चों की देखभाल पर अधिक समय दे पा रही हैं बुजुर्गों के लिए भी यह सुविधा राहत लेकर आई है पानी के लिए लंबी दूरी तय करने और भारी बर्तन उठाकर लाने की पेशानी कम हुई है।

नैनो डीएपी ने बदली खेती की तस्वीर, कम लागत में बेहतर उत्पादन की ओर बढ़े किसान राममिलन सिंह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के किसान अब कम लागत में अधिक उत्पादन की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं इसी कड़ी में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम सिरौली निवासी किसान राममिलन सिंह ने खरीफ सीजन में इफको नैनो डीएपी का उपयोग कर संतुलित पोषण आधारित खेती की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है इस खरीफ सीजन में राममिलन सिंह ने अपनी फसल की बुवाई के लिए आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुर (शाखा मनेन्द्रगढ़) से आवश्यक कृषि आदान प्राप्त किए। समिति द्वारा उन्हें इफको नैनो डीएपी, यूरिया तथा एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) समय पर उपलब्ध कराया गया जिससे उन्होंने निर्धारित समय पर बुवाई का कार्य पूरा किया राममिलन सिंह बताते हैं कि पहले पारंपरिक उर्वरकों के अधिक उपयोग के कारण खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही थी कृषि विभाग एवं सहकारी समिति के मार्गदर्शन में इस बार उन्होंने नैनो डीएपी का उपयोग किया जिससे उर्वरकों का संतुलित एवं वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग संभव हुआ इसका परिणाम यह रहा कि खेती की लागत कम हुई और फसल को आवश्यक पोषक तत्व भी प्रभावी रूप से उपलब्ध हो रहे हैं नका कहना है कि नैनो डीएपी का छिड़काव करना बेहद आसान है तथा इसकी कम मात्रा में ही बेहतर परिणाम देखने को मिलते हैं। इसके उपयोग से पौधों की बढ़वार अच्छी हो रही है जड़ों का विकास मजबूत हुआ है और फसल पहले की अपेक्षा अधिक हरी-भरी एवं स्वस्थ दिखाई दे रही है उन्हें विश्वास है कि इस सीजन में उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इफको नैनो डीएपी आधुनिक कृषि की एक महत्वपूर्ण तकनीक है जो पौधों तक पोषक तत्वों की उपलब्धता को अधिक प्रभावी बनाती है इसके उपयोग से पारंपरिक उर्वरकों की खपत कम होती है खेती की लागत घटती है पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता बढ़ती है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है नैनो डीएपी जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाकर जिले के किसान न केवल अपनी आय बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं बल्कि टिकाऊ एवं वैज्ञानिक खेती को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

आधे घंटे की तेज बारिश से मिली राहत, अब भी सामान्य से काफी पीछे मानसून

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में बुधवार दोपहर करीब आधे घंटे तक हुई तेज बारिश ने लोगों को उमस और गर्मी से राहत दी बारिश के बाद शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया जबकि निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई हालांकि जिले में मानसून की स्थिति अब भी कमजोर बनी हुई है और पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बारिश का आंकड़ा काफी पीछे चल रहा है भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, 1 जून से 5 अगस्त 2026 तक शिवपुरी जिले में औसत 292.36 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 1040.48 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी थी। जिले की सामान्य औसत वर्षा 816.3 मिलीमीटर है। वहीं पिछले पूरे मानसून सीजन में 1585.86 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी कम बारिश का असर जिले के सबसे बड़े जलस्त्रोत अटल सागर (मड़ीखेड़ा) बांध पर भी दिखाई दे रहा है सिंध परियोजना की 5 अगस्त की रिपोर्ट के अनुसार बांध में वर्तमान में 488.63 मिलियन घनमीटर पानी संग्रहित है जो कुल क्षमता 834.83 मिलियन घनमीटर का करीब 58.53 प्रतिशत है बांध का जलस्तर 339.70 मीटर दर्ज किया गया है पिछले वर्ष की स्थिति इससे बेहतर थी 4 अगस्त 2025 को मड़ीखेड़ा बांध में 622.69 मिलियन घनमीटर पानी मौजूद था, जो कुल क्षमता का 74.59 प्रतिशत था लगातार पानी की आवक के चलते अगस्त के पहले सप्ताह में बांध लगभग भर गया था और बाद में अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए गेट खोलने पड़े थे बुधवार की बारिश से जहां लोगों को अस्थायी राहत मिली है वहीं जिले में अभी भी अच्छी और लगातार बारिश की आवश्यकता बनी हुई है।

रामलला दर्शन योजना के तहत 52 श्रद्धालु अयोध्या रवाना, भक्तिमय माहौल में हुआ विदाई समारोह

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के 52 श्रद्धालुओं का दल अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ वर्षों से रामलला के दर्शन का सपना संजोए श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक अनुभूति का विशेष अवसर बन गई यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला रामधुन, भजन और जय राम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा जिले के नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कुल 57 श्रद्धालुओं की सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड को भेजी गई थी इनमें से 52 श्रद्धालु यात्रा के लिए रवाना हुए श्रद्धालुओं का दल मनेंद्रगढ़ से बस के माध्यम से अंबिकापुर पहुंचा जहां से उन्हें विशेष रेल द्वारा अयोध्या धाम भेजा गया 5 से 8 जुलाई तक प्रस्तावित इस यात्रा के दौरान ठहरने भोजन दर्शन सुरक्षा और चिकित्सकीय सुविधाओं की समुचित व्यवस्था शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई है यात्रा दल के साथ एक एस्कॉर्ट अधिकारी भी नियुक्त किया गया है जो पूरी यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया उनका कहना था कि रामलला के दर्शन का अवसर उनके जीवन का अविस्मरणीय क्षण होगा कई श्रद्धालु हाथों में रामध्वज लिए भजन गाते नजर आए जबकि सभी के चेहरों पर प्रभु राम के दर्शन की खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही थी रामलला दर्शन योजना का उद्देश्य नागरिकों को धार्मिक यात्रा का अवसर प्रदान करने के साथ भारतीय संस्कृति आध्यात्मिक परंपराओं और धार्मिक विरासत से जोड़ना है।

छह सूत्रीय मांगों को लेकर सरपंचों का प्रदर्शन कलेक्टर से मुलाकात के बाद भी नाराजगी बरकरार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के सरपंचों ने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्टर संतन जांगड़े से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष लालसाय मरावी के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने लंबित विकास कार्यों बकाया भुगतान और मानदेय सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की हालांकि बैठक के बाद भी सरपंच प्रशासन के रवैये से संतुष्ट नहीं दिखे कलेक्ट्रेट पहुंचने पर सरपंचों को करीब दो घंटे तक कलेक्टर से मिलने का इंतजार करना पड़ा इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने का सुझाव दिया लेकिन सरपंच सीधे कलेक्टर से ही चर्चा करने पर अड़े रहे इसी बात से नाराज होकर जिलाध्यक्ष लालसाय मरावी कलेक्टर कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए बाद में कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को अपने कक्ष में बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं सरपंच संघ ने ग्राम पंचायतों के लंबित निर्माण कार्यों को स्वीकृति देने मनरेगा मजदूरी और डीएमएफ मद के बकाया भुगतान का शीघ्र निराकरण सरपंचों और पंचों का चार माह से लंबित मानदेय जारी करने मनोनीत सरपंचों की नियुक्ति करने तथा वर्ष में कम से कम तीन बार कलेक्टर और सरपंचों की संयुक्त बैठक आयोजित करने सहित छह प्रमुख मांगें रखीं सरपंचों का कहना है कि लंबित भुगतान के कारण पंचायतों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं समय पर राशि नहीं मिलने से निर्माण कार्यों के साथ-साथ पंचायतों का नियमित संचालन भी बाधित हो रहा है कई बार मांग उठाने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बढ़ रही है कलेक्टर संतन जांगड़े ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी मांगों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया हालांकि बैठक के बाद सरपंचों ने कहा कि उन्हें कोई ठोस निर्णय या स्पष्ट समयसीमा नहीं मिली सरपंच संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जिलेभर में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

सरस्वती साइकिल योजना से छात्राओं को मिली सुविधा, विधायक अमर अग्रवाल ने बांटी साइकिलें

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के तहत मंगलवार को बिलासपुर के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। पंडित रामदुलारे दुबे सेजेस शासकीय बहुउद्देशीय माध्यमिक विद्यालय सरकंडा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सरकंडा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकर नगर में आयोजित कार्यक्रम में नगर विधायक अमर अग्रवाल ने छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं इस अवसर पर विधायक अग्रवाल ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना से लाखों बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिला है। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा हुई है, जिससे पढ़ाई छोड़ने की समस्या में कमी आई है और उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटियां ही मजबूत समाज और विकसित भारत की नींव हैं। सरकार छात्राओं को बेहतर शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है इस दौरान विधायक ने विद्यालय परिसरों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया उन्होंने कहा कि शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों ही विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं विधायक अग्रवाल ने तिफरा स्थित नए बस स्टैंड परिसर में रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा स्थापित शीतल पेयजल सेवा का लोकार्पण भी किया। साथ ही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सरकंडा में छात्र संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, प्रतिभाशाली खिलाड़ी जिला स्तर के लिए चयनित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासन के खेल कैलेंडर के तहत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (सेजस) मनेन्द्रगढ़ में 3 से 4 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला युवा एवं खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन पाण्डेय, संकुल प्राचार्य संजीव कुमार तथा सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी रणधीर ठाकुर की उपस्थिति में हुआ अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक मानसिक और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं खेलों से अनुशासन नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास होता है प्रतियोगिता के पहले दिन वॉलीबॉल, कबड्डी और योग की स्पर्धाएं आयोजित की गईं, जबकि दूसरे दिन खो-खो और शतरंज प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया। सभी आयु वर्गों में खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता से पहले मनेन्द्रगढ़ बेलबहरा, बुंदेली नागपुर बिहारपुर और केल्हारी जोन में चयन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ब्लॉक स्तर के लिए चुना गया था ब्लॉक स्तर पर भी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर जिला स्तर तक पहुंचने की अपनी दावेदारी मजबूत की लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों और खेल शिक्षकों में विशेष उत्साह देखने को मिला आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के लिए पेयजल, भोजन और प्राथमिक उपचार सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी इससे प्रतिभागियों को बेहतर वातावरण में प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला प्रतियोगिता के सफल आयोजन में खेल शिक्षक शिव कुमार चौधरी सुमित जायसवाल, केमेन्द्र साहू सहित संकुल समन्वयकों और अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी गईं आयोजन ने यह संदेश दिया कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने का प्रभावी साधन भी हैं।

सागर में जिलाबदर अपराधी गिरफ्तार, 12 महीने के निष्कासन आदेश के बावजूद शहर में घूम रहा था, आरोपी पर लूट समेत 14 अपराध हैं दर्ज

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर शहर में घूम रहे 28 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को एक साल के लिए सागर और आसपास के जिलों की सीमा से बाहर किया गया था, लेकिन वह आदेश की अनदेखी कर दोबारा शहर में दाखिल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में वह जिले में आने का कोई कारण नहीं बता सका।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई: पुलिस को सूचना मिली थी कि पंतनगर वार्ड निवासी आदतन अपराधी सूरज पिता नंदराम आठ्या (28) गुलाब बाबा मंदिर के पास वेदांती रोड क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही मोतीनगर थाना पुलिस ने टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की।

पुलिस को देखकर भागा, पीछा कर दबोचा: घेराबंदी के दौरान पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा। पुलिस जवानों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर पकड़ लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई, लेकिन वह जिलाबदर होने के बावजूद जिले में प्रवेश करने का कोई वैध कारण नहीं बता सका।

एक साल के लिए किया गया था जिलाबदर: पुलिस के अनुसार, सूरज आठ्या की लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसके खिलाफ जिला दंडाधिकारी के समक्ष जिलाबदर की कार्रवाई प्रस्तावित की गई थी। आदेश जारी होने के बाद उसे 12 महीने के लिए सागर और समीपवर्ती जिलों की सीमाओं से निष्कासित किया गया था। इसके बावजूद उसने आदेश का उल्लंघन करते हुए जिले में प्रवेश किया।

14 आपराधिक मामले दर्ज: पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट, मारपीट, जुआ समेत 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ जिलाबदर आदेश के उल्लंघन का मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई।

थाना प्रभारी ने क्या कहा: मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर शहर में घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

बीएसएफ जवान की पत्नी की हत्या, 4 साल की बेटी के सामने रिटायर्ड एसआई ने बहू को चाकू से गोदा

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। मकरोनिया के गायत्री नगर में मंगलवार सुबह रिटायर्ड एसआई ने अपनी बहू की उसकी 4 साल की बेटी के सामने हत्या कर दी। मृतका का पति देवेश दीक्षित बीएसएफ में पश्चिम बंगाल में तैनात है। मकरोनिया पुलिस ने मामले में ससुर को हिरासत में ले लिया है। मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने जेठ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे रिटायर्ड एसआई 65 वर्षीय रामनरेश दीक्षित के गायत्री नगर स्थित मकान से चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो रामनरेश की बहू 36 वर्षीय सविता दीक्षित का शव कमरे में खून से सना पड़ा था। रामनरेश के दोनों हाथों में खून लगा था। मकरोनिया थाना प्रभारी नितिन पाल ने ससुर को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जा रहा है कि जिस समय वारदात हुई, सविता की 4 साल की छोटी बेटी पास में ही बिलख रही थी। जानकारी के अनुसार, सविता बड़ी बेटी को स्कूल छोड़ने के बाद घर आई तो छत पर सास से कहासुनी हुई। इसी दौरान ससुर रामनरेश ने उस पर पीछे से चाकू से हमला कर दिया।

मृतका के भाई का आरोप- जेठ करता था मारपीट: पुलिस लाइन में रहने वाले मृतका के भाई मनीष नवेरिया का आरोप है कि इस पूरी वारदात में जेठ, सास व ससुर शामिल थे। 27 अप्रैल को जेठ आशीष ने मेरी बहन के साथ मारपीट की थी। दोनों हाथ में फ्रैक्चर आए थे। विवाद के चलते मेरे जीजा देवेश ने घर में कैमरे लगवाए थे। बेटी को उठाकर पटकने की बात झूठी है। जब ससुर बहन पर चाकू से हमला कर रहा था तब वह रोती-बिलखती रही। पुलिस ने मेरी बड़ी भांजी के बयान लिए हैं। उसने भी बड़े पापा आशीष द्वारा मां को परेशान करने की बात कही है।

सीहोर ग्वालटोली की पानी टंकी में बड़ा लीकेज

लाखों लीटर पेयजल बहा, सप्लाई प्रभावित, कई वार्डों में जल संकट और गंदा पानी मिलने की आशंका

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर शहर के ग्वालटोली क्षेत्र स्थित मुख्य पेयजल टंकी में बुधवार को बड़ा लीकेज होने से लाखों लीटर शुद्ध पानी बहकर सड़कों और नालियों में चला गया। टंकी से लगातार हो रहे रिसाव के कारण शहर के कई हिस्सों की जलापूर्ति प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों ने समय पर मरम्मत नहीं होने पर नगर पालिका और जल निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

ऊपरी हिस्से और पाइपलाइन से लगातार बह रहा पानी: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टंकी के ऊपरी हिस्से और मुख्य पाइपलाइन के जोड़ों से तेज धार के साथ लगातार पानी बह रहा है। इससे ग्वालटोली और आसपास के निचले इलाकों की सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई।

कई वार्डों में सप्लाई का दबाव घटा: ग्वालटोली की यह टंकी शहर के कई प्रमुख वार्डों और मोहल्लों में पेयजल उपलब्ध कराती है। लीकेज के बाद पानी का दबाव कम हो गया, जिससे कई घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच सका। रहवासियों ने जल संकट गहराने की आशंका जताई है।

दूषित पानी मिलने का भी खतरा: स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन में दबाव कम होने से नालियों का गंदा पानी पेयजल लाइन में मिलने का खतरा बढ़ गया है। इससे जलजनित और संक्रामक बीमारियों का जोखिम भी पैदा हो सकता है।

रखरखाव पर उठे सवाल

रहवासियों ने आरोप लगाया कि टंकी का नियमित रखरखाव नहीं किया गया, जिसके कारण यह स्थिति बनी। उनका कहना है कि लंबे समय से रिसाव की शिकायतें सामने आ रही थीं, लेकिन समय रहते सुधार नहीं किया गया।

शिकायत के बाद भी टीम नहीं पहुंची

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लीकेज की सूचना संबंधित अधिकारियों को तत्काल दे दी गई थी, लेकिन घंटों तक कोई तकनीकी टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान लगातार बड़ी मात्रा में पानी बहता रहा।

जनप्रतिनिधियों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के निवासी और शहर कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम यादव ने पेयजल व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

नगर पालिका का क्या कहना है

नगर पालिका ने लीकेज की जानकारी मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि तकनीकी टीम को मौके पर भेजा जा रहा है। जल्द मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा।

सागर में 31 हजार के लेनदेन में कुल्हाड़ी से हत्या

चार दिन बाद आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में जुर्म कबूला, हथियार बरामद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने हत्या के मामले में मंगलवार शाम एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने पैसों के लेनदेन के विवाद में हत्या की वारदात करना स्वीकार की है। पुलिस थाने लाकर आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त को सिविल लाइन थाना क्षेत्र के नए बस स्टैंड के सामने स्थित खाली मैदान में एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। जांच के दौरान मृतक की पहचान महेन्द्र अहिरवार (35) निवासी किशोर न्यायालय बस्ती के रूप में हुई।

मृतक के सिर और गले पर गंभीर घाव थे। प्राथमिक जांच में मामला हत्या का होने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। वारदातस्थल और आसपास के इलाके में सर्चिंग कर साक्ष्य जुटाए। मृतक के भाई सुरेन्द्र अहिरवार की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच में लिया।

हत्या कर फरार हो गया था आरोपी: टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और अन्य तथ्यों के आधार पर आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाई गई। जांच में संदेही का नाम सामने आया। जिसके आधार पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी सीताराम पटेल निवासी तिली सागर को हिरासत में लिया गया। थाने लाकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी सीताराम ने बताया कि मृतक महेंद्र अहिरवार के साथ उसका पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई। कहासुनी विवाद में बढ़ गई। मारपीट हुई, तभी आवेश में आकर आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला कर महेंद्र की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया था। दोनों के बीच करीब 31 हजार रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था।

वारदात में उपयोग कुल्हाड़ी जब्त की: सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकार किया है। उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी जब्त की गई है।

पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

ओंकारेश्वर नर्मदा नदी में डूबीं मुंबई की दो युवतियां, संतुलन बिगड़ने से गहरे पानी में गईं, नाविक और स्थानीय युवाओं ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर,ओंकारेश्वर (निप्र)। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में मंगलवार दोपहर मुंबई से भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन करने आई दो युवतियां, सृष्टि और सेजल स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। मौके पर मौजूद नाविक मुकेश वर्मा और स्थानीय युवाओं की तत्परता से दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

दोपहर में स्नान के दौरान गहरे पानी में गईं युवतियां: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर करीब 3:50 बजे की है। दोनों युवतियां नर्मदा नदी में स्नान कर रही थीं, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गहरे पानी में समाने लगीं। युवतियों को डूबता देख नाविक मुकेश वर्मा ने बिना देरी किए नदी में छलांग लगा दी।

नाविक मुकेश वर्मा ने पहले भी बचाई है कई जानें: नाविक मुकेश वर्मा ने स्थानीय युवाओं की मदद से दोनों युवतियों को सकुशल बाहर निकाला। नाविक मुकेश पूर्व में भी कई श्रद्धालुओं की जान बचा चुके हैं, जिसके लिए जिला प्रशासन उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर चुका है।

श्रद्धालुओं से सुरक्षा नियमों के पालन की अपील: हादसे के बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं से नर्मदा घाटों पर सतर्क रहने और गहरे पानी में न जाने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालु सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय लोगों द्वारा दी जा रही चेतावनियों का पालन करें और निर्धारित सीमा से आगे न जाएं।

12 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म की कोशिश, ममेरा भाई गिरफ्तार

एक सप्ताह चुप रही पीड़िता, हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद नर्मदापुरम में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर में 12 साल की एक बालिका से रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। बालिका से यह वारदात 38 साल के उसके ममेरे भाई ने की।

पीड़िता डर की वजह से एक सप्ताह तक चुप रही। फिर उसने चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1090 पर कॉल कर मदद मांगी। साथ ही अपनी बड़ी बहन को सारी घटना बताई। इसके बाद मंगलवार रात को उसकी मां पीड़ित बेटी को लेकर देहात थाने पहुंची। जहां आरोपी के खिलाफ रेप की कोशिश और पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कराया।

पीड़िता की मां का तलाक हो चुका: पुलिस के मुताबिक, फरियादी महिला का तलाक हो चुका है, जो वर्तमान में मायके में रहती है। आरोपी की उम्र 38 साल है। पीड़ित बालिका का आरोपी मामा का बेटा (ममेरा भाई) है। उसका घर आना जाना रहता है।

26 जुलाई की दोपहर 2.30 बजे आरोपी उनके घर आया था। दोपहर में जब बालिका और उसकी मम्मी सो रही थी, तब आरोपी ने पीड़िता के मुंह पर हाथ रख, गलत हरकत करने की कोशिश की। इतने में उसकी नींद खुल गई। जिससे आरोपी ने उसे छोड़ दूर हो गया, फिर वो घर से चला गया।

एक सप्ताह तक चुप रही बच्ची: घटना के चलते पीड़िता ने एक सप्ताह तक चुप रही। आखिरकार उसने हिम्मत दिखाई और अपनी बड़ी बहन, चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर पर कॉल कर उसके साथ हुई घटना को बताया। बड़ी बहन ने मां को आरोपी ममेरे भाई के बारे में बताया। मंगलवार रात को उन्होंने थाने में शिकायत की। थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

छतरपुर में प्रेम प्रसंग में युवक की पीट-पीटकर हत्या

दो नामजद, डेढ़ माह पहले हुई थी युवती की शादी, इलाज के दौरान तोड़ दम

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गौरिहार थाना क्षेत्र के घटरा गांव में प्रेम प्रसंग के चलते 40 वर्षीय एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। युवक ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने पहले मारपीट का मामला दर्ज किया था, अब इसमें हत्या की धाराएं जोड़ी जा रही हैं। थाना प्रभारी रूपनारायण पटेरिया के अनुसार, अरविंद कुशवाहा (40) का गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। युवती की शादी लगभग डेढ़ माह पहले उत्तर प्रदेश में हो चुकी थी, लेकिन दोनों के बीच बातचीत जारी रहने से उसके वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ रही थीं।

युवती के पिता ने लाठी-डंडों से पीटा: इसी बात से नाराज होकर युवती के पिता ने अपने साले के साथ मंगलवार शाम गांव के पास पहाड़ी मार्ग पर अरविंद को रोक लिया।

आरोप है कि दोनों ने लाठी-डंडों से हमला कर अरविंद को गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने उसे पहले स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

जेसीबी मशीन चलाता था अरविंद: पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, जिनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अरविंद के परिजनों ने आरोप लगाया है कि हमले में 4 से 5 लोग शामिल थे। उनका यह भी कहना है कि अरविंद को लाठी-डंडों के साथ-साथ कट्टे की बट से भी पीटा गया था। अरविंद जेसीबी मशीन चलाने का काम करता था।

रायसेन में 10 दिन से बारिश थमी: धान की फसल पर संकट, पिछले साल से 23.9 इंच कम वर्षा, सूखने लगे ट्यूबवेल

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मानसून आए करीब 50 दिन हो चुके हैं, लेकिन पिछले 10 दिनों से अच्छी बारिश नहीं होने के कारण खेतों में सूखे जैसे हालात बनने लगे हैं। सबसे ज्यादा असर धान की फसल पर दिखाई दे रहा है। खेतों में पानी की कमी से धान की पौध मुरझाने लगी है, जबकि किसानों की सिंचाई व्यवस्था भी जवाब देने लगी है।

ट्यूबवेल भी देने लगे जवाब: जिन किसानों ने ट्यूबवेल के भरोसे धान की रोपाई की थी, वे अब सबसे ज्यादा परेशानी झेल रहे हैं। लगातार जल दोहन के कारण भूजल स्तर नीचे चला गया है और कई ट्यूबवेल सूखने लगे हैं। यदि जल्द पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो खरीफ के साथ रबी फसलों के लिए भी जल संकट गहरा सकता है।

तालाब-नदियों में भी पानी की कमी: जिले के तालाब, नदियां और नाले भी पर्याप्त बारिश नहीं होने से खाली नजर आ रहे हैं। जल स्रोतों में पानी कम होने से सिंचाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है और किसान अब पूरी तरह मानसून पर निर्भर हो गए हैं।

पिछले साल से आधी से भी कम बारिश: आंकड़ों के मुताबिक 1 जून से 4 अगस्त 2026 तक जिले में 446.94 मिमी (17.6 इंच) बारिश दर्ज की गई है। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1053.8 मिमी (41.5 इंच) वर्षा हुई थी।

24 घंटे में सिर्फ 4.54 मिमी औसत वर्षा

बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 4.54 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सबसे अधिक 28.3 मिमी वर्षा बेगमगंज में हुई। रायसेन में 3 मिमी, गैरतगंज में 11 मिमी और सिलवानी में 3.1 मिमी बारिश हुई। वहीं गौहरगंज, बरेली, उदयपुरा, बाड़ी, सुल्तानपुर और देवरी में बारिश दर्ज नहीं की गई।

तहसीलों में बारिश का आंकड़ा

अब तक जिले में रायसेन में 370 मिमी, गैरतगंज 570 मिमी, बेगमगंज 542.5 मिमी, सिलवानी 361.6 मिमी, गौहरगंज 450.9 मिमी, बरेली 382.8 मिमी, उदयपुरा 529 मिमी, बाड़ी 422 मिमी, सुल्तानपुर 457 मिमी और देवरी 383.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

किसानों की बढ़ी चिंता

किसानों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञ भी मानते हैं कि धान की फसल के लिए इस समय लगातार नमी जरूरी है और बारिश में लंबा अंतराल उत्पादन पर असर डाल सकता है।

स्कूटी का पीछा करते पलटी शराब कंपनी की बोलेरो, नर्मदापुरम में गिट्टी उछलने से ग्रामीण घायल, ड्राइवर पर केस की तैयारी, स्कूटी सवार फरार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के डोंगरवाड़ा गांव में मंगलवार शाम 6.30 बजे एक तेज रफ्तार स्कूटी को पकड़ने के दौरान बोलेरो गाड़ी पलट गई। गाड़ी बीच गांव में एक गिट्टी के ढेर पर पलटी। पत्थर उछलकर ग्रामीण महिला और पुरुष को लगे, जिससे वे घायल हो गए। पलटी गाड़ी शराब कंपनी की है। उसमें बैठे कुछ कर्मचारियों को मामूली चोट आई। वे गाड़ी से उतरकर चले गए। घटना से मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर देहात थाने से एसआई खुमान सिंह और स्टॉफ मौके पर पहुंचा।

स्कूटी तस्कर का पीछा कर रहे थे: जानकारी के मुताबिक जो बोलेरो गाड़ी पलटी है, उसका नम्बर एमपी 04 सीपी 2239 है, जो पवारखेड़ा शराब शॉप कंपनी की गाड़ी है। जिसमें ठेकेदार के कर्मचारी घूमते हैं। सूत्रों के मुताबिक एक युवक अवैध शराब की पेटियों को स्कूटी पर रखकर तस्करी कर रहे थे। जिन्हें पकड़ने के लिए शराब दुकान के कर्मचारी बोलेरो गाड़ी से पीछा करने लगे। ग्रामीणों ने बताया शाम को अचानक से स्कूटी और उसके पीछे बोलेरो गाड़ी तेज रफ्तार से निकली। आगे जाकर कुछ घरों के सामने मोड़ पर बोलोरे पलट गई। इस बीच स्कूटी सवार युवक भाग निकला।

शराब ठेकेदार के कर्मचारी घायल हो गए।

भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंची

मौसम ने बिगाड़ा खेल

कोलंबो (श्रीलंका) एजेंसी। टीम इंडिया आने वाली टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच गई है। इसके साथ ही दोनों क्रिकेट खेलने वाले देशों के बीच होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले की तैयारी शुरू हो गई है। टेस्ट सीरीज से पहले भारत कोलंबो में 7 अगस्त से शुरू होने वाला तीन दिन का प्रैक्टिस मैच खेलेगा। हालांकि मौसम के कारण इस प्रैक्टिस सेशन का खेल बिगड़ता हुआ नजर आ रहा है क्योंकि 7 से 9 अगस्त तक कोलंबो में बारिश होने की पूरी संभावना है। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीमें दूसरे टेस्ट के लिए कोलंबो जाएंगी, जो 23 से 27 अगस्त तक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सीरीज से बाहर हो गए हैं क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी उनके बाएं घुटने की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। पुरुष चयन समिति ने बुमराह की जगह नबी को टीम में शामिल किया है। सीरीज से पहले भारत को कई खिलाड़ियों की चोटों की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट और नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, जबकि आकाश दीप भी उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन से उबर रहे हैं।

इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत

बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

नई दिल्ली एजेंसी। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।'

वनडे रैंकिंग में नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों को बढ़त

नामीबियाई खिलाड़ियों को भी फायदा

दुबई एजेंसी। आईसीसी ने बुधवार को पुरुषों की ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें नीदरलैंड्स के खिलाड़ियों को आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग में डच टीम के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। नीदरलैंड्स की टीम लीग 2 प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है। हाल ही में उन्होंने नेपाल के खिलाफ 57 रन से जीत दर्ज करते हुए स्टैंडिंग में टॉप-4 में अपनी स्थिति मजबूत की, जिससे आईसीसी वर्ल्ड कप क्वालीफायर में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें बरकरार हैं। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ मैच जिताऊ 57 रनों की पारी खेली थी, जिससे उन्हें ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा मिला। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है, जो अब 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। नेपाल पर जीत में डच गेंदबाजों का भी शानदार योगदान रहा, जिसका असर रैंकिंग में देखने को मिला है। मुकाबले में 2 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर रोलोफ वैन डेर मर्व वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 63वें पायदान पर पहुंच गए हैं। उसी मैच में तेज गेंदबाज लोगन वैन बीक ने भी 2 विकेट अपने नाम किए थे, जिसके साथ वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 76वें पायदान पर पहुंच गए। नीदरलैंड्स और नामीबिया के साथ खेली गई ट्राई-सीरीज में नेपाल के खिलाड़ियों के प्रदर्शन का भी उन्हें इनाम मिला। विकेटकीपर-बल्लेबाज आसिफ शेख वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर 76वें पायदान पर पहुंच गए हैं। नेपाल की तरफ से गेंदबाजों में, ललित राजबंशी एक स्थान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर करण केसी ने नेपाल के लिए सबसे बड़ी छलांग लगाई और वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 83वें स्थान पर पहुंच गए। लीग 2 ट्राई-सीरीज का हिस्सा रही नामीबियाई टीम के चार खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में बढ़त हासिल की। टीम के बल्लेबाजों में जान फ्रिलिंक ने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 16 स्थान की छलांग लगाते हुए संयुक्त रूप से 90वां स्थान हासिल कर लिया है।

डीपीएल 2026: वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 5 विकेट से हराया, मयंक गुसैन बने जीत के नायक

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 9वें मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 5 विकेट से हराया। वेस्ट दिल्ली ने 161 रनों के लक्ष्य को आसानी से 18.1 ओवर में सिर्फ 5 विकेट खोकर हासिल किया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंकित कुमार महज 6 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जितेश सिंह 8 रन बनाने के बाद अमन भाटी का शिकार बने। 26 रनों के स्कोर पर 2 विकेट गंवाने के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस की पारी को कृष यादव और नीतीश राणा ने संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 58 रनों की अहम साझेदारी निभाई। कृष ने 36 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाए, जबकि नीतीश ने 25 गेंदों में 32 रन बनाए। नीतीश ने अपनी इस पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान आयुष दोसेजा ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा और उन्होंने महज 27 गेंदों का सामना करते हुए 44 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, मयंक गुसैन ने 10 गेंदों में नाबाद 19 रनों की पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर लौटे।

इससे पहले, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की पूरी टीम 160 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अनमोल शर्मा महज 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, प्रणव पंत 10 गेंदों में 16 रन बनाने के बाद आउट हुए। सनत सांगवान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 15 गेंदों में 26 रन बनाने के बाद आउट हुए। कप्तान आयुष बदोनी 13 गेंदों में 18 रन बनाने के बाद मनन का शिकार बने। करन गर्ग 21 रन बनाकर आउट हुए। तेजस्वी सिंह दहिया सिर्फ 2 रन ही बना सके।

प्रांशु विजयरन 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अंकित डब्बास 9 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। अंत के ओवरों में विजन पांचाल ने 12 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 24 रन बनाए। गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से मयंक गुसैन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 13 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि शुभम दुबे, मनन भारद्वाज को दो-दो विकेट मिले।

मार्श और रूट USA 20 में शामिल होने वाले बड़े नामों में शामिल

JSK ने प्लेसिस को किया रिलीज

केपटाउन एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की प्रमुख लीग SA20 की छह फ्रेंचाइजी ने सीजन 5 के लिए अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों और प्री-ऑक्शन साइनिंग की पुष्टि कर दी है। इसके बाद विदेशी खिलाड़ियों की एक शानदार लिस्ट सामने आई है, जिसमें मिशेल मार्श, सैम करन, जो रूट, फिल साल्ट और जेसन होल्डर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। खिलाड़ियों की नीलामी होनी अभी शेष है। डरबन सुपर जायंट्स और पार्ल रॉयल्स ने पहले ही अपनी 19 खिलाड़ियों की टीम पूरी कर ली है, जबकि बाकी चार फ्रेंचाइजी में अभी भी 19 जगहें खाली हैं।

ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मार्श तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़कर अपना पहला ़ऋ20 सीजन खेलने के लिए तैयार हैं। मार्श, जो 'द हंड्रेड' में सनराइजर्स फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, टीम की पहले से ही मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप को और ताकत देंगे। इस लाइन-अप में क्विंटन डी कॉक, मैथ्यू ब्रीट्जके, जॉर्डन हरमन और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

डरबन सुपर जायंट्स ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन को अपनी टीम में शामिल किया है। करन पहले दो सीजन में एमआई केप टाउन के साथ खेलने के बाद लीग में वापसी कर रहे हैं। सुपर जायंट्स में करन अपने साथी खिलाड़ी जोस बटलर के साथ जुड़ेंगे। टीम में एडेन मारक्रम, हेनरिक क्लासेन और सुनील नरेन भी शामिल हैं। वहीं, पार्ल रॉयल्स ने इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट को वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर वापस बुलाया है और अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई को भी टीम में शामिल किया है।

पिछले सीजन की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट के साथ फिल साल्ट को लाकर अपने टॉप ऑर्डर को मजबूत किया है। ये दोनों खिलाड़ी अभी 'द हंड्रेड' में वेल्श फायर के लिए ओपनिंग करते हैं। इनके आने से टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप और भी खतरनाक हो गई है, जिसमें शेरफेन रदरफोर्ड, कॉनर एस्टरहुइजेन, डेवाल्ड ब्रेविस और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं। एक और अहम बदलाव में इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स प्रिटोरिया कैपिटल्स छोड़कर एमआई केप टाउन से जुड़ गए हैं। यह MI की मालिकाना हक वाली टीम के साथ उनका तीसरा जुड़ाव होगा। इससे पहले वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस और 'द हंड्रेड' में एमआई लंदन के लिए खेल चुके हैं। वहीं, जोबर्ग सुपर किंग्स ने कप्तान फाफ डु प्लेसिस से अलग होने के बाद जेसन होल्डर को अपनी टीम में शामिल किया है। डु प्लेसिस ने पिछले चार सीजन में टीम की कप्तानी की थी। अन्य बड़े नामों में जॉनी बेयरस्टो (सनराइजर्स ईस्टर्न केप) शामिल हैं, जबकि एमआई केप टाउन ने ट्रेंट बोल्ट, रैसी वैन डेर डुसेन और कीरोन पोलार्ड को रिलीज़ कर दिया है। सुपर किंग्स द्वारा रिलीज किए जाने के बाद विआन मुल्डर और नंड्रे बर्गर भी नीलामी में फिर से शामिल होने के लिए तैयार हैं।

SA20 लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'सीजन 5 अब तक का हमारा सबसे मज़बूत सीज़न बनने जा रहा है।

कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे अल्काराज

ओहायो एजेंसी। विश्व के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन का यह खिलाड़ी अपनी कलाई की चोट से उबरने में नाकाम रहा है, जिसके चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजक ने बुधवार को अल्काराज के टूर्नामेंट से हटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, 'कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2025 के चैंपियन को ठीक होने के लिए शुभकामनाएं। अगले साल आपका स्वागत करने का इंतजार नहीं कर सकते।'

अल्काराज ने आखिरी बार अप्रैल में बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट खेला था। उससे ठीक पहले, अप्रैल की शुरुआत में ही वो मोंटे-कार्लो मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, 23 साल के अल्काराज का इस सीजन में 22-3 का रिकॉर्ड है, और वह एटीपी रैंकिंग में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हैं। अल्काराज ने अपने सीजन की शानदार शुरुआत की थी और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। मेलबर्न की ट्रॉफी ही आखिरी बड़ी ट्रॉफी थी जो उनके पास नहीं थी। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा और 23 अगस्त तक चलेगा। मई में दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी ने विंबलडन और क्वीन्स क्लब चैंपियनशिप दोनों से नाम वापस ले लिया था, क्योंकि वह अपनी दाहिनी कलाई की लगातार चोट से ठीक हो रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने रोम में हुए इटैलियन ओपन और फ्रेंच ओपन में भी हिस्सा नहीं लिया था।

विव रिचर्ड्स का जोसेफ और सैमी को सुझाव, मतभेद सुलझाने और आपसी समान फिर से कायम करें

पोर्ट ऑफ स्पेन एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज सर विवियन रिचर्ड्स ने तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और हेड कोच डेरेन सैमी से अपने मतभेद सुलझाने और एक-दूसरे के प्रति सम्मान फिर से कायम करने की अपील की है। यह अपील पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज से

तेज गेंदबाज के हटने के फैसले पर सार्वजनिक असहमति के बाद की गई है। जोसेफ ने निजी कारणों का हवाला देते हुए 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से हटने का फैसला किया था जिस पर सैमी ने टिप्पणी की थी कि उन्होंने 'चयन से इनकार' कर दिया - इस टिप्पणी की बाद में तेज गेंदबाज ने 'विवादास्पद और बिना संदर्भ के' कहकर आलोचना की थी। वेस्टइंडीज अभी सीरीज में 1-0 से आगे है और दूसरा मैच क्वींस पार्क ओवल में चल रहा है। रिचर्ड्स ने बुधवार को 'एंटीगुआ ऑब्जर्वर' से कहा, 'कभी-कभी इससे खिलाड़ियों के प्रोफेशनल करियर पर असर पड़ता है। अगर ऐसे बयान सच नहीं होते, तो कई बातें लंबे समय तक बनी रहती हैं। जब वह सेंट लूसिया फ्रेंचाइजी के साथ थे, तब दोनों के बीच बहुत अच्छे संबंध थे, इसलिए मुझे ठीक से नहीं पता कि रिश्ते क्यों खराब हो गए। मुझे पता है कि रिश्ता उस बात से कहीं बड़ा है जो हम सुनते हैं, इसलिए उसे फिर से बेहतर बनाने की कोशिश करना महत्वपूर्ण होगा। कभी-कभी हम गलतियां कर बैठते हैं, लेकिन अगर हममें समझदारी हो और हम अपनी गलतियों को समझें, तो हम हमेशा चीजों को ठीक कर सकते हैं और इन खिलाड़ियों को फिर से आगे बढ़ा सकते हैं।' उन्होंने स्थिति के बारे में सैमी की सार्वजनिक टिप्पणी पर भी चिंता जताई और कहा कि अगर जोसेफ ने सही प्रोफेशनल प्रक्रिया का पालन किया था, तो हेड कोच की टिप्पणी की कोई जरूरत नहीं थी। रिचर्ड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि अल्जारी ने (और यह सिर्फ मेरी राय है) यह स्पष्ट कर दिया होगा कि पूरा मामला क्या था, उन्हें कैसा महसूस हुआ और उनका क्या मतलब था; मुझे लगता है कि कहानी के दो पहलू हैं।' उन्होंने कहा, 'कोच का यह कहना (और मुझे ऐसा ही लगा कि वह कह रहे थे) कि उन्होंने (अल्जारी ने) चयन से इनकार कर दिया, यह मेरी राय में बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना है।

बिना मंजूरी लेजेंड्स लीग में खेलने पहुंचे पाकिस्तानी खिलाड़ी

PCB ने दी बैन करने की चेतावनी

लाहौर एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों को बिना मंजूरी वाले विदेशी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के खिलाफ चेतावनी दी है। बोर्ड ने उन खिलाड़ियों के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की घोषणा की है जो जाम्बिया में चल रही 20वीं एशियन लेजेंड्स लीग में जरूरी मंजूरी लिए बिना शामिल हुए हैं।

एक आधिकारिक बयान में PCB ने कहा कि उसने टूर्नामेंट में पाकिस्तान के कुछ पूर्व खिलाड़ियों की भागीदारी का गंभीरता से संज्ञान लिया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने 'इवेंट्स को मंजूरी देने और खिलाड़ियों की रिहाई' से जुड़े अपने नियमों के तहत इसे बिना मंजूरी वाला या अस्वीकृत क्रिकेट इवेंट माना है। PCB ने यह भी कहा कि इस प्रतियोगिता को जाम्बिया क्रिकेट यूनियन (ZCU) से मंजूरी नहीं मिली है इसलिए इसमें हिस्सा लेना लागू ICC नियमों का उल्लंघन है। PCB ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) इस लीग को 'इवेंट्स को मंजूरी देने और खिलाड़ियों की रिहाई' से जुड़े नियमों के तहत बिना मंजूरी वाला/अस्वीकृत क्रिकेट इवेंट मानती है और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन (ZCU) ने भी इस टूर्नामेंट को मंजूरी नहीं दी है।' PCB के बयान के अनुसार ICC ने फिर से कहा है

कि सभी विदेशी खिलाड़ियों को विदेशी क्रिकेट इवेंट में हिस्सा लेने से पहले अपने संबंधित घरेलू बोर्ड से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) लेना जरूरी है। नियमों के तहत सदस्य बोर्डों को उन खिलाड़ियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी होती है जो बिना मंजूरी वाली प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इन नियमों को लागू न करने पर संबंधित सदस्य बोर्ड के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

PCB ने कहा कि जो भी व्यक्ति PCB से जरूरी मंजूरी लिए बिना बिना मंजूरी वाले इवेंट में हिस्सा लेता पाया जाएगा, उस पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सजा के तौर पर बोर्ड दो साल का प्रतिबंध लगाएगा। इसके अलावा संबंधित व्यक्तियों को दो साल की अवधि के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के साथ किसी भी क्रिकेट, कोचिंग, कंसल्टेंसी, मेंटरिंग और/या अन्य असाइनमेंट के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनी आमजन के लिए भरोसेमंद सहारा एक फोन, एक शिकायत और मिल गया राशन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रदेश के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। बलरामपुर जिले के ग्राम भेण्डरी निवासी श्रीमती गायत्री यादव को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिला, जब राशन कार्ड के लिए लगभग 10 महीने से लंबित उनका आवेदन हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज होने के बाद शीघ्र ही निराकृत कर दिया गया। श्रीमती गायत्री यादव ने बताया कि राशन कार्ड नहीं बनने के कारण उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न और कई शासकीय योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लंबे समय तक आवेदन लंबित रहने पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक जांच और प्रक्रिया पूरी की तथा उनका राशन कार्ड जारी कर दिया। राशन कार्ड प्राप्त होने के बाद अब वे नियमित रूप से सस्ती दरों पर खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगी और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उठा सकेंगी। राशन कार्ड मिलने पर श्रीमती गायत्री यादव ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा था, लेकिन अब उनकी परेशानी दूर हो गई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक सेवाओं को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाना है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से राशन कार्ड, पेंशन, बिजली, पानी, राजस्व और अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों का शासन-प्रशासन पर विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन का सख्त कदम, पनीर एनालॉग उत्पादों पर प्रतिबंध; नियम उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य संरक्षण, खाद्य सुरक्षा तथा निष्पक्ष व्यापार व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पनीर एनालॉग उत्पादों को प्रतिबंधित किया गया है। वहीं ऐसे गैर दुग्ध खाद्य उत्पादों, जो पनीर, क्रीम, मक्खन अथवा अन्य दुग्ध उत्पादों के विकल्प अथवा उनकी नक़ल के रूप में निर्मित एवं विक्रय किए जाते हैं, के निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय पर संपूर्ण छत्तीसगढ़ में तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 18 एवं धारा 30 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा भ्रामक एवं अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राज्य के सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं, जिनमें निर्माता, डेयरी इकाइयाँ, होटल, रेस्टोरेंट, थोक एवं फुटकर विक्रेता शामिल हैं, को निर्देशित किया है कि वे ऐसे उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं विक्रय तत्काल प्रभाव से बंद करना सुनिश्चित करें। जिन खाद्य कारोबारकर्ताओं के खाद्य लाइसेंस में पनीर एनालॉग अथवा संबंधित उत्पादों का उल्लेख है, वे नियमानुसार आवश्यक संशोधन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करें। विभाग द्वारा इस आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेशभर में विशेष जांच एवं निरीक्षण अभियान संचालित किया जाएगा। जांच के दौरान प्रतिबंधित उत्पादों का निर्माण, भंडारण अथवा विक्रय पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा प्रचलित नियमों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रतिबंध आदेश के प्रभावी पालन के लिए 03 अगस्त 2026 को गरियाबंद स्थित मधुबन रेस्टोरेंट में होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों की बैठक आयोजित कर शासन के आदेश, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रावधानों तथा प्रतिबंधित उत्पादों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा सभी संबंधित कारोबारकर्ताओं को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेत (कृषि अभियांत्रिकी) एवं B-Tech-(खाद्य प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए द्वितीय चरण ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषि अभियांत्रिकी संकाय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में B-Tech(कृषि अभियांत्रिकी) एवं B-Tech. (खाद्य प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु द्वितीय चरण ऑनलाइन काउंसिलिंग आयोजित की जा रही है। प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय के प्रवेश नियम-2026 के अनुसार संपन्न की जाएगी। द्वितीय चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन पंजीयन एवं दस्तावेज अपलोड की प्रक्रिया दिनांक 01 अगस्त 2026 से 10 अगस्त 2026 (रात्रि 11:00 बजे तक) संचालित रहेगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www-igkv-ac-in पर उपलब्ध ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से कर स्वहपद करें तथा ऑनलाइन आवेदन पत्र (Application Form) भरकर निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण करें। पात्र अभ्यर्थियों की प्रावीण्य सूची 14 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। द्वितीय चरण की काउंसिलिंग PET 2026 के अभ्यर्थियों के लिए 17 अगस्त 2026, JEE&Mains-2026 के अभ्यर्थियों के लिए 18 अगस्त 2026, 12वीं (गणित समूह) के मेरिट अभ्यर्थियों के लिए 19 अगस्त 2026 तथा अन्य राज्य के पात्र अभ्यर्थियों के लिए 20 अगस्त 2026 को प्रातः 10:00 बजे से स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र (SVCAET&RS), कृषि अभियांत्रिकी संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन पंजीयन करने से पूर्व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापन, प्रवेश विवरणिका, ऑनलाइन पंजीयन दिशा-निर्देश, ऑनलाइन काउंसिलिंग दिशा-निर्देश, शुल्क विवरण, प्रथम चरण की काउंसिलिंग के उपरांत रिक्त सीटों की स्थिति तथा प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेजों की सूची का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें। काउंसिलिंग में सम्मिलित होते समय सभी आवश्यक मूल दस्तावेज, स्वप्रमाणित छायाप्रतियाँ तथा निर्धारित प्रवेश शुल्क साथ लाना अनिवार्य होगा। द्वितीय चरण ऑनलाइन काउंसिलिंग से संबंधित विज्ञापन, समय-सारणी, प्रवेश विवरणिका, रिक्त सीटों की स्थिति, शुल्क विवरण, ऑनलाइन पंजीयन दिशा-निर्देश, ऑनलाइन काउंसिलिंग दिशा-निर्देश तथा प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेजों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट सभी इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन पंजीयन पूर्ण करें तथा नियत तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित काउंसिलिंग में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया का लाभ उठाएँ।

अवैध रेत उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन पर करें सख्त कार्यवाही : मंत्री बघेल

खाद्य मंत्री श्री ने गरियाबंद में जिला स्तरीय जिला स्तरीय काम-काज की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मंत्री बघेल ने बैठक में खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने रेत, मुरुम, पत्थर सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध कारोबार पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा नियमित जांच एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में प्रभारी मंत्री बघेल ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग का समीक्षा करते हुए कहा कि खाता विभाजन, नामांतरण, सीमांकन, बंदोबस्त त्रुटि सुधार, न्यायालयीन प्रकरण एवं डायवर्सन संबंधी मामलों

का गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित एनओसी प्रकरणों का भी समयबद्ध निराकरण करने तथा अनावश्यक विलंब नहीं होने देने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री बघेल ने ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, भूमिहीन परिवारों को स्वीकृत आवासों की प्रगति पर नियमित निगरानी रखने तथा व्यक्तिगत शौचालयों का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष बल देते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए ब्लॉक स्तर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। जहाँ विभागीय अधिकारी बैंक एवं उनके मंशा अनुरूप आजीविका कार्यों को फार्म भराकर उन्हें आजीविका उपलब्ध कराने के लिए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकरियों को निर्देशित किया कि जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर किसी भी प्रकार के शासकिय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तो जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से बताएं। साथ ही विभागीय सामग्रियों का वितरण भी जनप्रतिनिधियों को कराएं। उन्होंने आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प, मसाला प्रसंस्करण, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन तथा अन्य स्वरोजगार गतिविधियों का विस्तार एवं उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के निर्माणाधीन सड़क, भवन तथा अन्य अधोसंरचना कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नैनो डीएपी ने बदली खेती की तस्वीर, बंजी के सिया बाई और राय सिंह को मिली सफलात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। समय के साथ कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं। इसका उदाहरण मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम बंजी के प्रगतिशील किसान सिया बाई और राय सिंह ने प्रस्तुत किया है। दोनों किसानों ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, चौनपुर से इफको नैनो डीएपी प्राप्त कर अपनी फसल में इसका प्रयोग किया और इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। पारंपरिक डीएपी उर्वरक के अपेक्षाकृत अधिक उपयोग से खेती की लागत बढ़ने के बीच नैनो डीएपी के प्रयोग से कम मात्रा में फसल को प्रभावी पोषण उपलब्ध कराने में मदद मिली। किसानों के अनुसार फसल की बढ़वार संतुलित रही, पौधों में हरियाली बनी रही और जड़ों का विकास भी बेहतर दिखाई दिया। इसका असर फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन पर भी नजर

आया।

कम खर्च में बेहतर फसल ने बढ़ाया भरोसा: सिया बाई बताती हैं कि शुरुआत में उन्हें नैनो डीएपी के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और सहकारी समिति से मिली सलाह के बाद उन्होंने इसे अपनी खेती में अपनाने का निर्णय लिया। प्रयोग के बाद मिले परिणाम उनकी उम्मीद से बेहतर रहे। उन्होंने कहा कि कम लागत में अच्छी फसल मिलने से खेती से आय बढ़ने की उम्मीद मजबूत हुई है। उनके अनुसार पहले जहां अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता पड़ती थी, वहीं अब कम मात्रा में पौधों को पोषण उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। इससे उर्वरक पर होने वाला खर्च कम हुआ है और खेती अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने की अपील सिया बाई और राय सिंह ने जिले के अन्य किसानों से भी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार नैनो डीएपी का उपयोग करने की अपील की है। उनका मानना है कि वैज्ञानिक पद्धतियों और नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभदायक एवं टिकाऊ बनाया जा सकता है। आधुनिक कृषि नवाचार से बढ़ रही किसानों की उम्मीद ग्राम बंजी की सिया बाई और राय सिंह की सफलता की यह कहानी बताती है कि आधुनिक कृषि नवाचार किसानों के लिए खेती की लागत कम करने और बेहतर उत्पादन की दिशा में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

रामानुजनगर वन परिक्षेत्र में अवैध काष्ठ परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

● वन कर्मियों की टीम ने दी दबिश, वाहन एवं वनोपज सुरक्षित अभिरक्षा में ●

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार प्रदेश के वन परिक्षेत्रों में अवैध काष्ठ परिवहन पर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के रामानुजनगर वन परिक्षेत्र में अवैध वनोपज परिवहन पर अंकुश लगाते हुए वन अमले ने सागौन काष्ठ से लदे एक पिकअप वाहन को जब्त करने की उल्लेखनीय कार्रवाई की है। वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि परिक्षेत्र में अवैध कटाई एवं वनोपज परिवहन की रोकथाम हेतु रात्रिकालीन गश्त सतत जारी रहेगी तथा वन संपदा को क्षति पहुँचाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 02 अगस्त 2026 को रात्रि में अवैध रूप से वनोपज परिवहन किए जाने की सूचना मुखबिर से प्राप्त होने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी रामानुजनगर श्रीमती पूजा यादव के निर्देशन में तत्काल वन कर्मियों की एक टीम गठित की गई और उसे परिक्षेत्र अंतर्गत सघन गश्त हेतु रवाना किया गया। रात्रिकालीन गश्त के दौरान 03 अगस्त 2026 को प्रातः लगभग 3:00 बजे परिसर छिंदिया अंतर्गत

वन अमले ने एक पिकअप वाहन को जंगल की ओर जाते हुए देखा, जिस पर तत्परता दिखाते हुए वनकर्मियों ने घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी। मौका स्थल वाहन क्रमांक सीजी.-15 ए.सी. 1294 पर सागौन प्रजाति के 04 नग लट्ठे लोड किए जा चुके थे। वाहन में काष्ठ लोड कर रहे व्यक्ति वन कर्मियों को देखते ही मौके से फरार हो गए। वाहन चालक से की गई पूछताछ में उसके द्वारा किसी भी प्रकार का परिवहन अनुज्ञप्ति अथवा पास न होना बताया गया। तदुपरांत वाहन मय वनोपज को जब्त करते हुए भारतीय वन अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। जब्तशुदा वाहन एवं वनोपज को वन परिक्षेत्र कैम्पस रामानुजनगर लाकर सुरक्षित अभिरक्षा में रखवाया गया है। उक्त कार्रवाई में वनरक्षक राहुल साहू, वनरक्षक सुनील कुमार एवं वन रक्षक बिजेश्वर सिंह ठाकुर सम्मिलित रहे।

अब नहीं थकेंगे बेटियों के कदम : सरस्वती साइकिल योजना ने दी सपनों को नई रफ्तारराज्य सरकार की पहल से छात्राओं को मिला सुरक्षित और सुगम आवागमन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में संचालित सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के तहत बलरामपुर जिले में कक्षा 9वीं की 120 छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित की गई, जिससे अब उनकी पढ़ाई का सफर अधिक सुरक्षित, आसान और समयबद्ध हो सकेगा। कलेक्टरमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। साइकिल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरों पर आत्मविश्वास और खुशी साफ दिखाई दी। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरी, आर्थिक कठिनाई या संसाधनों की कमी कभी भी बेटियों की शिक्षा में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना विशेष रूप से दूरस्थ अंचलों की छात्राओं के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। इससे वे समय पर विद्यालय पहुंच सकेंगी, सुरक्षित आवागमन कर सकेंगी और पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगी। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि आठवीं के बाद विद्यालय की दूरी कई छात्राओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाती थी। कई बेटियों को प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलकर विद्यालय पहुंचना पड़ता था, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति और पढ़ाई प्रभावित होती थी। साइकिल मिलने से अब उनकी उपस्थिति में सुधार होगा और पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल सकेगा। ग्राम पिण्डारा की छात्रा कोमल शर्मा ने बताया कि पहले विद्यालय पहुंचने में काफी समय और ऊर्जा खर्च हो जाती थी। अब साइकिल मिलने से वह समय पर विद्यालय पहुंच सकेगी और पढ़ाई पर पहले से अधिक ध्यान दे पाएगी। वहीं ग्राम ओबरी की छात्रा राधिका ने कहा कि विशेषकर बारिश के दिनों में विद्यालय पहुंचना बहुत कठिन होता था। साइकिल मिलने से अब उसका विद्यालय आना-जाना सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है। उसने मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय तथा जिले का नाम रोशन करने का संकल्प भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नशा जीवन को खोखला कर देता है: मंत्री लखनलाल देवांगन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासकीय ई.वी.पी.जी. महाविद्यालय कोरबा में गत दिनो नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुभारंभ संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने देशभर के जेन-जी युवाओं से नशे से दूर रहने का संकल्प लेने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, वाणिज्य कर (आबकारी) एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि नशा जीवन को खोखला कर देता है। नशे की लत व्यक्ति की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बनती है। इससे न केवल व्यक्ति का भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि उसका परिवार भी संकट में पड़ जाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर संकल्प, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है और इसमें युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया। साथ ही महाविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि नशे के कारण परिवार बिखर रहे हैं और अपराधों में वृद्धि हो रही है। इसलिए

युवाओं को नशे से दूर रहकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं को नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की जानकारी नोडल अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह ने दी। अतिथियों का पौध भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कँवर, नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन, पार्षद नरेंद्र देवांगन, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी.एल. साय, प्राध्यापकगण, जनप्रतिनिधि, एनएसएस के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। 'नशे को ना कहें, जिंदगी को 'हाँ': कलेक्टर कुणाल दुदावत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे मुक्त कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कोई भी व्यक्ति बचपन से नशा नहीं करता, बल्कि धीरे-धीरे गलत संगति और परिस्थितियों के कारण इसकी गिरफ्त में आ जाता है और फिर इसकी लत का शिकार हो जाता है। उन्होंने पढ़ाई के दौरान अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि शुरू में ही नशा को न अपनाने का प्रण जीवन को सही दिशा में लेकर जाता है। इसलिए कोई सीनियर कितना भी दबाव बनाएं इससे दूर ही रहना है। उन्होंने कहा कि नशा मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास का सबसे बड़ा शत्रु है। इसके दुष्परिणाम प्रारंभ में दिखाई नहीं देते, लेकिन समय के साथ शरीर और जीवन दोनों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि जिस तरह हम अपने नए मोबाइल या नई गाड़ी को खरोंच से बचाकर रखते हैं, उसी प्रकार अपने शरीर का भी संरक्षण करना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। इसलिए नशे को 'ना' कहें और जिंदगी को हाँ। कलेक्टर दुदावत ने माय भारत फॉर युवा अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में लगभग 58 हजार युवाओं को इस अभियान से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से 32 हजार से अधिक युवा अब तक जुड़ चुके हैं। उन्होंने बताया कि नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए समाज कल्याण विभाग एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से प्रत्येक सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।